उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-45)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 11 दिसंबर, 2023

▶ प्रतिबंधित मार्गों में धड़ल्ले से दौड़ रहे ई-रिक्शा

▶ झोलाछाप डाक्टरो से ईलाज कराना पड़ गया भारी,मरीज की मौत

▶ हिंदी सिनेमा के जूनियर महमूद कैंसर से हारे

विष्णुदेव साय होंगे छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री, विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला

छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के नाम का एलान हो गया है। विष्णुदेव साय को अब राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया है। वो छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे। ये फैसला विधायक दल की बैठक में रविवार को किया गया है। विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षक भी मौजूद थे। विष्णुदेव साय कुनकुरी विधानसभा सीट से विधायक है। भाजपा के पर्यवेक्षक अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम की रायपुर में नव निर्वाचित विधायकों के साथ बैठक में ये फैसला किया गया है। रायपुर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक में सभी ने मिलकर विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने पर मुहर लगाई है। बता दें कि विष्णु देव साय मूल रूप से आदिवासी समाज के बड़े नेता है। आदिवासी समाज राज्य का बड़ा समुदाय है।विष्णुदेव साय राज्य में एक बड़ा चेहरा है, जो चार बार सांसद, दो बार विधायक, केंद्रीय राज्य मंत्री और दो-दो बार के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। साय के बाद संगठन में काम करने के संबंध में काफी लंबा अनुभव भी है। बता दें कि विधायक दल की बैठक में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और अर्जुन मुंडा और दुष्यंत कुमार गौतम के अलावा छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रभारी ओम माथुर उपस्थित थे। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक दोपहर 12 बजे से शुरू हुई थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री के नाम पर घंटों तक मंथन चला था।

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने अपना उत्तराधिकारी कर दिया घोषित

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने रविवार 10 दिसंबर को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। लंबे अर्से से मायावती के उत्तराधिकारी कौन होगा इसे लेकर कई अटकलें चलाई जा रही थी। इसी बीच मायावती ने इस संबंध में फैसला सुना दिया है। मायावती ने अब अपने बाद पार्टी की जिम्मेदारी अपने भतीजे आकाश आनंद को सौंप दी है। लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ये घोषणा की है।

जानकारी के मुताबिक बीएसपी प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसकी घोषणा उन्होंने लखनऊ में हुई बैठक में दी। बता दें कि लोकसभा चुनावों को लेकर मायावती ने बीएसपी नेताओं के साथ 10 दिसंबर को बैठक की थी। इस बैठक के बाद ही उन्होंने अपने उत्तराधिकारी की घोषणा की है।इससे पहले पांच राज्यों में आयोजित हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भी आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी सौंप गई थी। राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ तक में आकाश आनंद ने पूरी कोशिश की कि बसपा को मजबूती के साथ पेश किया जाए। वहीं अब लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भी पार्टी ने तैयारी कर ली है, जिसके लिए कमान आकाश आनंद को सौंप गई है।हालांकि मायावती के इस ऐलान के बाद हर कोई हैरान हो गया है क्योंकि पहले माना जा रहा था कि लोकसभा 2024 के चुनाव को मायावती के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। मायावती का उम्मीदवार घोषित होने के बाद अब यह भी संभावना जताई जा रही है कि पार्टी जल्द ही गठबंधन को लेकर भी फैसला ले सकती है। बता दें कि लंबे समय से मायावती की राजनीति में सक्रियता को लेकर कई अटकलें लगाई जाती रही है। कई चुनावी सभाओं में भी मायावती की गैरमौजूदगी रही है, जिसके बाद कई सवाल खड़े होने लगे थे। ऐसे में मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया है। आकाश एक युवा चेहरा है जिसकी बदौलत पार्टी खुद को फिर से स्थापित करने में सफल हो सकती है। आकाश के नेतृत्व में ही पार्टी अपनी ताकत को लोकसभा चुनाव 2024 में बढ़ाने पर जोर देगी।बता दें कि वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश में आयोजित हुए विधानसभा चुनावों में भी पार्टी को बड़ी सफलता नहीं मिल सकी थी। पार्टी ने सपा के साथ 2019 में लोकसभा चुनावो में गठबंधन कर 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस सफलता के बाद कई मौकों पर आकाश आनंद को बड़ी भूमिका में देखा जाता रहा है।

राजपूत करणी सेना के प्रमुख गोगोमेड़ी के हत्यारोपी गिरफ्तार

- हत्याकांड के मुख्य आरोपी रोहित राठौड़ और नितिन फौजी समेत तीन आरोपियों को चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया
- गैंगस्टर गोदारा का राइट हैंड माने जाने वाले वीरेंद्र चारण के इशारे पर ही इस हत्या को अंजाम दिया गया था।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। राजस्थान पुलिस के साथ जॉइंट ऑपरेशन में उसने राजपूत करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के मुख्य आरोपी रोहित राठौड़ और नितिन फौजी समेत तीन आरोपियों को चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को चंडीगढ़ से दिल्ली लाया गया है।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आरोपियों ने शनिवार की रात पूछताछ की और आज भी उससे पूछताछ जारी रहेगी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन फौजी, रोहित राठौड़ और उधम के रूप में हुई है। पकड़ा गया तीसरा आरोपी उधम वो शख्स है जो फरारी के दौरान इनके साथ था और भागने में इनकी मदद कर रहा था। आरोपी लगातार घटना के मास्टरमाइंड कहे जाने वाले वीरेंद्र चारण के सम्पर्क में बने हुए थे। गैंगस्टर गोदारा का राइट हैंड माने जाने वाले वीरेंद्र चारण के इशारे पर ही इस हत्या को अंजाम दिया गया था।आरोपी फरारी के दौरान लगातार मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी का फायदा उठाते हुए पुलिस टेक्निकल सर्विलांस के जरिए आरोपियों तक पहुंची इसके बाद इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सोमवार को, शांति कायम रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने किये जोरदार प्रबंध

नई दिल्ली। अनुच्छेद 370 मामले पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आने से पहले तमाम तरह की राजनीतिक सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। इस बीच पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। अदालत के संभावित फैसले के आलोक में कोई शांति बिगाड़ने नहीं पाये इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्कता बरते हुए है। इस बीच, अदालत के फैसले से पहले ''कानून एवं व्यवस्था'' मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पुलिस और प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने शुक्रवार को श्रीनगर में एक बड़ी बैठक भी की। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि

किसी भी उपद्रव या सोशल मीडिया के दुरुपयोग में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) विजय कुमार ने पीसीआर कश्मीर में पहली बार कश्मीर डिवीजन के सभी जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की एक संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि संभागीय आयुक्त, कश्मीर, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर, उप निदेशक गुप्तचर ब्यूरो, कश्मीर के सभी रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी), डीआईजी-सीआईडी और एसएसपी भी बैठक में शामिल हुए। प्रवक्ता ने बताया कि बैठक के दौरान सभी अधिकारियों ने कुमार को मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और फैसले के मद्देनजर हो सकने वाली ऐसी किसी भी घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में सभी जिला प्रमुखों को नजर रखने और शांति भंग करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

इस बीच, विभिन्न दलों के नेताओं की प्रतिक्रियाओं का दौर भी शुरू हो गया है। कश्मीर के स्थानीय दलों से जुड़े अधिकतर नेताओं को उम्मीद है कि 370 वापस बहाल होगा। वहीं भाजपा का कहना है कि जम्मू-कश्मीर अब जिस राह पर आगे बढ़ चला है उसमें पीछे लौटने की कोई गुंजाइश नहीं है। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने कहा है कि अनुच्छेद 370 की बहाली होनी चाहिए, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए और राज्य में जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने चाहिए।

संपादकीय

जिन्दगी की जीत

उजाले के पर्व दिवाली के दिन जिन 41 परिवारों के आंगन में अंधेरे का साया मंडराया था, मंगलवार को उन घरों में असली दिवाली मानने का मौका आया। सारा देश उन श्रमिकों के सुरक्षित बाहर आने के लिये प्रार्थना कर रहा था, जो 12 नवंबर को ऑलवेदर रोड के लिये बनायी जा रही सिलक्यारा सुरंग धंसने से उसके अंदर फंस गये थे। शायद भारत के इतिहास में पहला मौका होगा कि आम श्रमिकों को बचाने के लिये इतने बड़े पैमाने पर बचाव-राहत का अभियान चलाया गया। कदम-कदम पर बाधाएं आई। लेकिन केंद्र व उत्तराखंड सरकार की सजगता-सक्रियता आखिर रंग लायी और हादसे के सत्रहवें दिन 400 घंटे तक गुफा में फंसने के बाद सारे श्रमिक सकुशल बाहर निकले। इस बात की मुक्तकंठ से प्रशंसा करनी होगी कि कई केंद्रीय मंत्रालयों, बचाव कार्य में लगी राहत एजेंसियों, सेना, वायु सेना, बीआरओ तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञों ने एकजुट होकर इस अभियान में भाग लिया। भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि उसके लिये हर नागरिक की जिंदगी कीमती है, अब चाहे वह एक आम श्रमिक क्यों न हों। निश्चित रूप से इस अभियान ने उन करोड़ों श्रमिकों का मनोबल बढ़ाया है जो राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्राणपण से जुटे हैं। उनमें संदेश गया कि देश को उनके योगदान का भान है और उनकी चिंता पूरे देश को है। हमें उन श्रमिकों के मनोबल की प्रशंसा करनी होगी, जिन्होंने सत्रह दिन तक भयावह परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोया। इतने लंबे चले बचाव अभियान के दौरान कई लोग गहरे अवसाद में आ सकते थे। लेकिन फंसे श्रमिकों तक समय पर हवा, पानी, बिजली व भोजन भेजने की व्यवस्था ने उनका मनोबल बढ़ाया कि राष्ट्र उनके लिये फिक्रमंद है और उन्हें बचाने के गंभीर प्रयास निरंतर जारी हैं। निश्चित रूप से इन श्रमिकों के बचाव के लिये चलाया गया यह सफल अभियान इस बात का प्रमाण है कि विभिन्न सरकारों, मंत्रालयों व राहत-बचाव में लगी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से हर मुसीबत का सामना किया जा सकता है।बहरहाल, सिलक्यारा सुरंग धंसने और उसके बाद चले बचाव अभियान में आई बाधाओं ने हमें तमाम सबक दिये हैं। यह भी कि ऐसी सुरंग बनाने से पहले भूस्खलन की आशंका और पहाड़ की क्षमता का वैज्ञानिक आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। साथ ही ऐसी सुरंगों के भीतर उनके धंसने की स्थिति में राहत-बचाव कार्य की वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। जिन मोटे पाइपों के जरिये , ऊपर से गिरे मलबे के बीच से गुजारकर, श्रमिकों को बाहर निकाला गया, उन्हें निर्माणधीन सुरंगों के साथ अनिवार्य रूप से लगाया जाना चाहिए। यदि ऐसा हादसा होता है तो किसी सुरंग के धंसने की स्थिति में बचाव का रास्ता बचा रहे। साथ ही नीति नियंताओं को ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया के सबसे युवा हिमालयी पहाड़ों पर बड़ी विकास योजनाओं का बोझ किसी सीमा तक डाला जाना चाहिए।

जीत-हार के बीच कुछ अनुत्तरित प्रश्न

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में अब तेलंगाना पर सबकी निगाह है। दक्षिण के इस राज्य में इस बात को लेकर कौतूहल है कि बीआरएस के नेता कल्वा कुंतला चंद्रशेखर राव यानी केसीआर अपनी हैट्रिक बनाते हैं या कांग्रेस का सत्ता परिवर्तन का नारा बुलंद होता है। तेलंगाना की सियासत कई तरह की ऊहापोह के बीच झूलती रही। कभी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विकल्प के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामने दिखी तो फिर बदली परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी ने अपनी धमक दिखाई। तेलंगाना की जमीन पर खड़े होकर केसीआर ने राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व करने के मंसूबे भी संजोए। तेलंगाना में इसी बात पर अटकलें लगती रही कि भाजपा बीआरएस के साथ गठबंधन करेगी या फिर तेलुगू देशम को साथ जोड़ेगी। नाटकीय फेरबदल में भाजपा ने दोनों से अलग जनसेना पार्टी के साथ गठबंधन किया।

चुनाव के 'सेमीफाइनल' का नतीजा सामने है। भारतीय जनता पार्टी को इन चार राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित जीत मिली है। लगभग सारे चुनावी अनुमानों को ग़लत साबित कर दिया है इन परिणामों ने। राजनीति के पंडित हिसाब लगाने में लगे हैंङ्क कुछ दावे कर रहे हैं, उन्होंने तो पहले ही कह दिया था, कुछ इसे भाजपा के राजनीतिक कौशल का परिणाम बता रहे हैं, कुछ विपक्ष की ग़लत रीति-नीति को दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ भी कहें पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा काम आया है। कई कारण गिनाये जा सकते हैं चुनाव के नतीजों के संदर्भ में, पर यह एक हकीकत है कि प्रधानमंत्री ने सारा प्रचार-कार्य कुछ इस तरह से किया कि अगर जीत होती है तो यश उनकी ही झोली में पड़े। यही अब कहा भी जा रहा है।मोदी है तो मुमकिन है का नारा बार-बार दुहराया जा रहा है। 'मोदी की गारंटी' के जादू का झंडा कुछ इस तरह से फहराया जा रहा है जिससे लगे कि जीत के नायक वही हैं। और इसमें कुछ ग़लत भी नहीं है। इस सेमीफाइनल के परिणाम कुछ और होते तो कम से कम विपक्ष उन्हें 'कारक' कहने-बताने में चूकता नहीं।भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए विश्व कप मुकाबले के उदाहरण को सामने रखें तो यह कहा जा सकता है कि यह कतई ज़रूरी नहीं है कि फाइनल का परिणाम भी वही हो जो सेमीफाइनल का रहा है। वर्ष 2024 में होने वाले आम चुनाव को इस सेमीफाइनल के संदर्भ से नहीं आंका जा सकता। बहरहाल, अब राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से चुनावी नतीजों का विश्लेषण करेंगे आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे। जीतने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त करेंगे, और हारे हुए स्वयं को यह आश्वासन देंगे कि आगे मतदाता ऐसी 'ग़लती' नहीं करेंगे।विश्लेषण तो हर चुनाव परिणाम का होना चाहिए। अब भी होगा। पर एक बात जो इस बार स्पष्ट उभर कर सामने आयी है, वह यह है कि राजनीतिक दल यह मानकर नहीं चल सकते कि मतदाता उनकी बात पर भरोसा करेगा ही। न ही यह माना जा सकता है कि मतदाता को हमेशा भरमाया जा सकता है। इसी तरह, इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि हमारे यहां जिस तरह का चुनाव-प्रचार होता है, या फिर मतदाता को रिझाने की जिस तरह से कोशिशें होती हैं, वह जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितनी सही हैं?इन चुनाव में हमने देखा कि वादे और दावे तो हुए ही, एक नया शब्द भी ईजाद किया गयाङ्कगारंटी। वैसे तो वादा भी गारंटी ही होना चाहिए, पर इस बार चुनाव-प्रचार में इस शब्द पर विशेष ज़ोर दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने शायद सबसे पहले यह शब्द काम में लिया था, फिर प्रधानमंत्री ने इसे 'मोदी की गारंटी' कह कर और ज्यादा पुख्ता बनाने की कोशिश की।

भले ही यह किसी ने नहीं बताया कि कथित गारंटी पूरी करने का आधार क्या होगा, पर लगता है, गारंटी का जादू काम कर गया। चुनाव-प्रचार की एक और बात जिस पर गौर किया जाना ज़रूरी है, वह यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें जिंदगी के ज़रूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को 'वैश्विक अर्थव्यवस्था' की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर ज़ोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही हम 'विकसित देशों' की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताने की ज़रूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था से घिरे हैं हम।इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ पक्ष यह बताना ज़रूरी समझ रहा था कि वैश्विक गरीबी सूचकांक के अनुसार हमारी सोलह प्रतिशत आबादी के गरीब होने के कारण क्या हैं? इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि वैश्विक भूख सूचकांक की 123 देशों की सूची में भारत का स्थान 107वां है। चुनाव-प्रचार के दौरान इसकी भी चर्चा कहीं सुनाई नहीं दी। ग़रीबी की तरह ही बेरोज़गारी का मुद्दा भी कुल मिलाकर अनसुना ही रहाङ्क विपक्ष के भाषणों में यह शब्द कभी-कभी सुनाई दे जाता था, पर इसे उस ताकत से नहीं उठाया गया जितनी ताकत से उठाया जाना चाहिए था।चुनाव-परिणामों का विश्लेषण करने वालों का कहना है कि इस बार महिला-मतदाताओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। ज़रूर रही होगी। महिलाओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, यह सही है। चुनाव-परिणामों पर भी इसका निश्चित असर पड़ा है। पर यह बात कब किसी ने सामने लायी कि देश की आधी से अधिक महिलाएं शारीरिक दृष्टि से कमज़ोर क्यों हैं? महिला सशक्तीकरण के नाम पर ढेरों घोषणाएं हुई हैं, सभी दलों ने महिलाओं को लाभ दिलाने के वादे किये, सस्ता सिलेंडर, घर में नल, नकद सहायता आदि की तो बहुत दुहाई दी गयी, पर विधायिका में महिलाओं को तीस प्रतिशत भागीदारी देने और उसका समर्थन करने वालों में से किसी भी राजनीतिक दल में इन चुनावों में एक-तिहाई उम्मीदवार खड़े करना ज़रूरी नहीं समझा।देश में आईआईटी और आईआईएम खोले जाने की बातें भी हुईं, पर यह बात किसी ने भी नहीं उठायी कि देश में एक लाख से कहीं अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक क्यों है? हमारे नेता जब विदेशों में जाते हैं तो प्रवासी भारतीयों की योग्यता-क्षमता की खूब तारीफ करते हैं।

महुआ मोइत्रा जैसो को राजनिती से पूर्ण निष्कासित किया जाना चाहिए..!

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

आश्चर्य है कि एथिक्स कमिटी ने उनको पूछताछ के लिए नहीं बुलाया और यहां तक समिति ने भ्रष्टाचार कानून को भी नजर अंदाज कर दिया जिसमें घूस लेना देना दोनों सांज्ञेय अपराध है ! आरोप लगा कि महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए पैसे लेकर संसद में सवाल पूछे।

कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की सांसदी छिन गई है, उनकी संसद की सदस्यता रद्द हो गई है। कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट के बाद उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई। महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगा जिसका आधार दर्शन हीरानंदानी का एफिडेविट है जिसमें उन्होंने महुआ को पैसे और महंगे उपहार देने के बारे में स्वीकार किया है । आश्चर्य है कि एथिक्स कमिटी ने उनको पूछताछ के लिए नहीं बुलाया और यहां तक समिति ने भ्रष्टाचार कानून को भी नजर अंदाज कर दिया जिसमें घूस लेना देना दोनों सांज्ञेय अपराध है ! उन पर आरोप लगा कि उन्होंने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से पैसे लेकर संसद में सवाल किए। आरोप लगा कि महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए पैसे लेकर संसद में सवाल पूछे। महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने के लिए लाए गए प्रस्ताव पारित कर दिया गया है और इसके साथ रही उनकी सांसदी खत्म हो गई।बहस के दौरान बीजेपी सांसद हीना गावित कहा कि महुआ मोइत्रा ने अपने संसदीय इतिहास में कुल 61 सवाल किए , जिसमें से 50 बार दर्शन हीरानंदानी के सवाल पूछे हैं। महुआ ने खुद ही एथिक्स कमिटी के सामने माना कि उन्होंने हीरानंदानी को लॉग-इन, पासवर्ड दिए हैं। इस पूरे मामले में एक नाम जो बार-बार आया वो नाम है दर्शन हीरानंदानी का । कौन हैं दर्शन हीरानंदानी ? क्या करते हैं और कैसे इस पूरे मामले से जुड़े हैं? दर्शन हीरानंदानी देश के बड़े कारोबारी हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में उनका बड़ा नाम है। हीरानंदानी ग्रुप रियल एस्टेट कंपनी के सीईओ दर्शन हीरानंदानी का नाम 卐कैश फॉर क्वेरी卐 में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के साथ जुड़ा।

दर्शन हीरानंदानी पर आरोप लगे कि उन्होंने अपनी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए महुआ मोइत्रा को पैसे दिए ताकि वो संसद में अडानी को लेकर सवाल करें। इस मामले में खुलासा होने के बागद उनका नाम सामने आया। दर्शन की कंपनी का अधिकतर कारोबार मुंबई में है। दर्शन के पिता निरंजन हीरानंदानी इस कंपनी के फाउंडर हैं। हीरानंदानी ग्रुप रेसिडेंशियल टाउनशिप से लेकर आईटी पार्क, बिजनेस पार्क, मॉल से अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़ी है। इनका कारोबार विदेशों में भी फैल चुका है । कंपनी के कई प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से बाहर भी चल रहे हैं। मुंबई के अलावा बैंगलोर, चेन्नई में कंपनी के कई बड़े प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। कंपनी रियल एस्टेट के अलावा डेटा सेंटर, ऑयल एंड गैस सेक्टर, सेमीकंडक्टर्स और कंज्यूमर सर्विसेज में तेजी से विस्तार कर रही है। हीनानंदानी ग्रुप के दर्शन निडर ग्रुप, योट्टा डेटा सर्विसेज, एच एनर्जी और तेज प्लेटफॉर्म की कमान भी संभालते हैं। ये कंपनियां अलग-अलग सेक्टर्स में काम करती है। हीरानंदानी समूह का इतिहास आजादी से पहले का है। दर्शन हीरानंदानी के दादा लखुमल हीरानंदानी पाकिस्तान में रहते थे। परिवार से विवाद होने के बाद वो सिंध (पाकिस्तान) को छोड़कर भारत आकर बस गए। साल 1937 में लखुमल हीरानंदानी मुंबई आकर बस गए। साल 1942 में उन्होंने मुंबई के टोपीवाला नेशनल मेडीकल कॉलेज से स्नातक किया, आगे की पढ़ाई के लिए वो लंदन चले गए। पढ़ाई के बाद वो वापस भारत लौट आए। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में सर्जन के तौर पर काम किया। बाद में उन्होंने हीरानंदानी फाउंडेशन ट्रस्ट की शुरुआत की। इस ट्रस्ट के भीतर वो स्कूल चलाते थे। उन्होने अंग व्यापार को लेकर सामाजिक जागरुकता के लिए काफी काम किया था। चिकित्सा और सामाजिक जागरूकता को लेकर उनके योगदान को देखते हुए उन्हें साल 1972 में पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। साल 2013 में उनके निधन के बाद बेटे निरंजन हीरानंदानी और सुरेंद्र ने हीरानंदानी ग्रुप की कमान संभाली और कारोबार का विस्तार किया। दर्शन हीरानंदानी ने न्यूयॉर्क के रोशेस्टर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीएससी और स्क्वकी डिग्री ली है। पढ़ाई के बाद परिवार के कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया, दर्शन ने हीरानंदानी ग्रुप के रियल एस्टेट बिजनेस को इंटरनेशनल लेवल पर पहुंचाया उन्होंने रियल एस्टेट के अलावा डेटा सेंटर्स, क्लाइंड कंप्यूटरिंग, एनर्जी सेक्टर , लॉजिस्टिक्स सेक्टर में कंपनी का विस्तार किया।महुआ मोइत्रा एक बैंकर, जो पहले कांग्रेस पार्टी की बंगाल विधान सभा की विधायक बनी फिर लोक सभा की टीएमसी सांसद और अब सांसदी छिनी!

शहर में मल्टी स्पेशलिटी ओपीडी सेवाओं का हुआ शुभारंभ

कानपुर। रविवार को शहर में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों के साथ साझेदारी में मैक्स सुपर स्पेशलिटी ने मल्टी-स्पेशलिटी ओपीडी सेवाएं शुरू करने का ऐलान किया। इन ओपीडी सेवाओं में कार्डियोलॉजी, लीवर और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों को डॉक्टर परामर्श देंगे। कार्डियक साइंसेज के कैथ लैब्स (पैन मैक्स) के चीफ और प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ विवेका कुमार हर महीने के दूसरे रविवार को कुलवंती अस्पताल काका देव में ओपीडी में मरीजों को देखेंगे। अस्पताल साकेत में लीवर ट्रांसप्लांट एंड बाइलरी साइंसेज, रोबोटिक सर्जरी के सीनियर डायरेक्टर डॉ शालीन अग्रवाल हर महीने के चौथे रविवार को रीजेंसी अस्पताल, टॉवर -2 सर्वोदय नगर में मरीजों को परामर्श देंगे।ओपीडी लॉन्च के मौके पर कार्डियक साइंसेज के कैथ लैब्स (पैन मैक्स) के चीफ और प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉक्टर विवेका कुमार ने कहा, कार्डियोवैस्कुलर के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक बहुत बड़ा परिवर्तन ला दिया है। इसमें स्टेंट की सरणी, पतले स्ट्रट्स, बायोएब्जॉर्बेबल पॉलिमर और पॉलिमर-फ्री डिजाइन की सुविधा रहती है।

न्यायालय व राजस्व ऑफिसों के दलालों की अब खैर नही

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर तेजी से डिजिटलाइजेशन हो रहा है। पारदर्शिता तेजी से बढ़ रही है महीनों का काम मिनटों से लेकर सेकंडो में हो रहा है। एक क्लिक से हजारों करोड़ रुपए गरीबों, किसानों, वंचितों के खातों में सीधे जा रहा है जिससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इसे जीरो टॉलरेंस तक पहुंचाया जा सके परंतु बड़े बुजुर्गों की कहावतें सच है कि नियम बनते ही तोड़ने के लिए हैं और कानून में भी अनेक लीकेजेज होते हैं जिसका फायदा जानकार लोग उठा ही लेते हैं, परंतु सरकार भी इन लिकेजेस पर संज्ञान लेकर कानूनों में संशोधन कर उसे बंद करने का प्रयास करती है, इस प्रकार का संज्ञान कानून व्यवसाई अधिनियम के तहत आने वाले सभी पहलू पहले से ही अधिवक्ता अधिनियम 1961 में शामिल है।परंतु न्यायालय क्षेत्र में भी दलालों की बढ़ती दस्तक, कार्यरेखा, हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए, उच्च न्यायालय जिला न्यायालय, सत्र न्यायालय, राजस्व अधिकारी जैसे एसडीओ तहसीलदार पटवारी सहित सभी निचले स्तर तक कार्यालयों ने अपने परिसर में कार्य करने वाले ज्ञात दलालों की सूची बनाकर उनका वहां प्रसारण कर प्रवेश प्रतिबंधित कर सके और इस परिसर में दिखने पर 3 माह की सजा या 500 रुपए जुर्माना या दोनों के रूप में सजा के पात्र होंगे। आज हम करीब करीब हर शासकीय कार्यालय में देखते हैं कि नीचे से लेकर ऊपर तक दलालों का ही बोलबाला है और करीब करीब हरएक छोटे से लेकर बड़ा काम भी हर शासकीय कार्यालय में दलालों के हस्ते ही शीघ्रता से होता है बस!! मोटी रकम लगती है जो कि पूरी चैनल को बटती है यह मेरी नजरों के सामने होते ही रहता है। या यूं कहें कि अधिकतम नागरिक इस चैनल से पीड़ित हैं जिसकी मुख्य कड़ी दलाल ही होता है। परंतु मेरा मानना है कि चूंकि इस संशोधित कानून ने दलालों की सूची जो कि उसे उन अधिकारियों के द्वारा ही बनाई जाएगी जो चैनल में शामिल हैं, तो फिर इस संशोधन का कोई मूल्य नहीं रहेगा? क्योंकि जैसा कि मैं देखता हूं अधिकारियों की लिंक दलालों से अंदर खाने होती ही है, उसके इशारे फोन या कोडवर्ड से ही वह अधिकारी काम कर देता है फिर उसका पार्सल उसे साप्ताहिक मासिक मिल जाता है।यह तस्वीर हर उस व्यक्ति को मालूम होगी जो इन शासकीय कार्यालयों में अपना काम कराने जाता है याने पटवारी से लेकर उच्चस्तर तक होता हैं इसका अंदाजा उनकी लाइफस्टाइल से ही लगाया जा सकता है कि अंदर खाने कैसी मलाई के वारे न्यारे होते हैं। बस! अब जरूरत है हर अधिकारी द्वारा अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनकर पूर्ण ईमानदारी के साथ दलालों की सूची बनाकर परिसर में प्रकाशित करें और दलालों को 3 माह की सजा दिलाने का लक्ष्य रखें! तभी इस संशोधित कानून की सार्थकता सिद्ध होगी। चूंकि यह बिल राज्यसभा में दिनांक 3 अगस्त 2023 को पारित हो चुका है, और आज दिनांक 4 दिसंबर 2023 को संसद के शीतकालीन सत्र के प्रथम दिन ही लोकसभा में पारित हो गया है अब यह दस्तखत के लिए राष्ट्रपति महोदया के पास जाएगा फिर कानून बन जाएगा इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 संसद के दोनों सदनों में पारित साथियों बात अगर हम 4 दिसंबर 2023 से शुरू हुए शीतकालीन सत्र में इस विधेयक के लोकसभा पारित होने की करें तो संसद ने सोमवार को अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी प्रदान की। इस विधेयक का मकसद अदालत परिसरों में दलालों की भूमिका को खत्म करना है। लोकसभा ने विधेयक पर विस्तृत चर्चा और कानून मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से स्वीकृति दी। राज्यसभा में यह विधेयक पिछले मानसून सत्र में पारित किया गया था। लोकसभा में सोमवार को विभिन्न दलों के सदस्यों ने अदालतों को दलालों से पूरी तरह मुक्त करने की जरूरत बताई। बड़ी पार्टी जहां इस संबंध में बड़ी मछलियों को पकड़ने के लिए आवश्यक प्रावधान करने पर जोर दिया। वहीं, सत्ताधारी पार्टी ने कहा कि पीएम की सरकार में न्यायपालिका को स्वच्छ बनाने का प्रयास जारी है। हालांकि अनेक दलों ने इस विधेयक को वापस लिए जाने और इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई। बड़ी पार्टी सांसद ने अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि छोटी अदालतों में छोटे-मोटे दलालों के खिलाफ पहल करने के साथ-साथ केंद्र को बड़ी मछलियों को पकड़ने के लिए प्रावधान करना चाहिए।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर 2023 को शुरू हुई और सरकारी कामकाज की अनिवार्यता के अधीन, सत्र शुक्रवार, 22 दिसंबर 2023 को समाप्त हो सकता है। 19 दिनों की अवधि में सत्र में 15 बैठकें होंगी।साथियों बात अगर हम अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 की करें तो यह एक नया खंड,धारा 45 ए पेश करता है, जिसका शीर्षक है दलालों की सूची तैयार करने और प्रकाशित करने की शक्ति'। यह धारा दलाल होने के कृत्य को तीन महीने तक की कैद, पांच सौ रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडनीय बनाती है। विधेयक दलाल को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है, जो पारिश्रमिक के विचार से, एक कानूनी व्यवसायी का रोजगार प्राप्त करता है या किसी कानूनी व्यवसायी या किसी कानूनी व्यवसाय में इच्छुक पार्टी को ऐसे रोजगार का प्रस्ताव देता है। यह उन व्यक्तियों को भी संदर्भित करता है जो ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए अदालत परिसरों, राजस्व कार्यालयों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आते-जाते हैं।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

लघु एवं मझोले वर्ग के समाचारपत्रों का उत्पीड़न रोके केंद्र सरकार

लघु एवं मझोले वर्ग के समाचारपत्रों का उत्पीड़न रोके केंद्र सरकार

विज्ञापन नीति की खामियों को दूर करने की उठी मांग

आर. एन. आई. व सी. बी. सी. की कार्यशैली की हुई निन्दा

बीपीएस न्यूज

वेरावल (सोमनाथ) गुजरात। एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एण्ड मीडियम न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया की राष्ट्रीय परिषद की बैठक माहेश्वरी भवन के निकट स्थित टी. एफ. सी. सभागार में आयोजित की गई। बैठक का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात गुजरात इकाई अध्यक्ष मयूर बोरीचा व अन्य पदाधिकारियों ने बैठक में शामिल होने वाले सदस्यों व मंचासीन पदाधिकारी गणों का सम्मान किया। इसी दौरान सोमनाथ ट्रस्ट के प्रबंधक ने मंचासीन पदाधिकारियों का सम्मान किया।बैठक में गुजरात, राजस्थान, उज़र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, उज़राखंड आदि राज्यों की इकाइयों के अध्यक्ष व पदाधिकारी शामिल हुए और अपने अपने राज्यों से प्रकाशित होने वाले समाचारपत्र / पत्रिकाओं के समक्ष आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और उनका निराकरण करवाने की मांग रखी।

बैठक में सी. बी. सी. , आर. एन. आई. की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा गया कि इनके द्वारा आये दिन ऐसे नियम थोपे जा रहे हैं जिसके कारण लघु एवं मझोले वर्ग का विकास दर प्रभावित हो रहा है और प्रकाशक परेशान हो रहे हैं।

बाबरी विध्वंस बरसी पर सतर्क रहा कानपुर प्रशासन, पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान, संदिग्धों को रोक की पूंछताछ

जनवरी माह में आयोध्या में होना है राल लला मंदिर का भव्य कार्यक्रम

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, आने वाले नव वर्ष में आयोध्या में होने वाले श्रीराम लाला मंदिर के कार्यक्रम की भव्य तैयारियां चल रही है तो वहींदेश का बहुसंख्यक वर्ग बहुत प्रसन्न और उत्साहित है। 6 दिसम्बर 1992 में आयोध्या में कार्यसेवकों द्वारा बाबरी मस्जिद ढहाई गयी थी और सपा प्रमुख मुलायम सिंह द्वारा निर्दोष हिन्दुओं का रक्त बहाया गया था। 6 दिसम्बर को बाबरी विध्वस की बरसी के कारण कानपुर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट दिखा और मंगलवार को कई स्थानों पर चेकिंग अभियान भी चलाया गया।6 दिसम्बर बाबरी विध्वंस बरसी पर कानपुर प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। हर वर्ष इस दिन विशेष सतर्कता बरती जातीहै, कि कहीं कोई शांति व्यवस्था न खराब हो। एक बडा कारण यह कि देश में कई मुस्लिम संगठनों द्वारा बाबरी मस्जिद को लेकर बयानबाजी होती है और इससे देश का माहौल खराब हो सकता है, हालांकि बीते कई वर्षो से कोई अप्रिय घटना घटित नही हुई है लेकिन फिर भी प्रशासन, सतर्क रहा। परेड स्थित सद्भावना चौकी के सामने भी पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान कई वाहनो की चेकिंग की गयी, साथ ही संदिग्धों को रोकर पूंछतांछ भी की गयी। चौकी प्रभारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, बांकि सब सामान्य है और रोज की ही भांति नगर की गतिविधियां चल रहीं है।

कमिश्नर के आदेश पर अधिवक्ता के हमलावर की तत्काल हुई गिरफ्तारी

अधिवक्ता के हमलावरों की गिफ्तारी को अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन के वार्ता करने पर कमिश्नर ने तत्काल कराई एक अभियुक्त की गिरफ्तारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर, अधिवक्ता के हमलावरों की गिरफ्तारी न किए जाने को लेकर पं रवीन्द्र शर्मा अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन पुलिस कमिश्नर आर के स्वर्णकार से मिल बताया कि करीब एक माह पूर्व अधिवक्ता राम नवल कुशवाहा पर जानलेवा हमला किया गया था जिसमें सर में गंभीर चोटों के साथ-साथ उनके दो दांत टूट गए थे जूही पुलिस के साधारण दफाओं में रिपोर्ट पर संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी से वार्ता की तो उनके थाना जूही को धारा 307 लगा गिरफ्तारी के निर्देश के बाद भी अभियुक्तो की गिरफ्तारी नहीं हुई जिस पर रामनवल कुशवाहा द्वारा शताब्दी गेट पर धरना दिया गया जिसमें एसीपी कोतवाली रंजीत कुमार ने आकर बार व लायर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियो के समक्ष 2 से 3 दिन में हमलावरी की गिरफ्तारी का अश्वाशन दे धरना समाप्त कराया था किंतु दिए समय के बाद भी गिरफ्तारी न होना प्रदेश की योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को अंगूठा दिखाना है पुलिस अधिकारियों के निरंतर आश्वासन के बाद भी अभी तक अधिवक्ता के हमलावरों की गिरफ्तारी न होने से अधिवक्ताओं में रोष है।पूरी बात सुन पुलिस कमिश्नर ने तत्काल जूही पुलिस को अभियुको को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जिसपर करवाही करते हुए जूही पुलिस ने तत्काल एक अभियुक्त जतिन गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। हमारी मांग है कि अन्य अभियुक्तों को भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाए।प्रमुख रूप से मधु यादव अभय शर्मा अजय गुप्ता अरविंद दीक्षित नमन गुप्ता राजेश भारतीय इंद्रेश मिश्रा शिवम गंगवार अजय प्रताप सिंह आदि रहे।

झोलाछाप डाक्टरो से ईलाज कराना पड़ गया भारी, महिला की मौत

- कान में तेल डालकर सो जाता है स्वास्थ्य महकमा, हादसे के बाद खुलती है आंखे
- कानपुर के हर हिस्सें में डाक्टर बने झोलाछाप कर रहे ईलाज
- नगर में अवैध रूप से चल रहे कई नर्सिंग होम, फर्जी डाक्टर जीवन से कर रहे खिलवाड
- अवैध नर्सिंगहोम तथा झोला छाप डाक्टरों पर स्वास्थ्य महकमे के अधिकारी रहते है मेहरबान

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, एक गलत इंजेक्शन लगने के कारण एक बार फिर एक महिला की जान चली गयी और महिला को यह इंजेक्शन एक झोलाछाप डाक्टर के द्वारा दिया गया था। इससे पहले भी शहर में झोलाछाप डाक्टरों के ईलाज के कारण कई मौते हो चुकी है। हादसे के स्वास्थ्य मकहमा कुछ समय के लिए जागता अवश्यह है लकिन फिर अंदरूनी सेंटिंग के कारण काईवाई कुछ नही होती और गाडी पुन: अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगती है। मरते वो लोग है जो इन झोलाछाप के चंगुल में फंस जाते है।

शहर के बाहरी क्षेत्रों में ऐसे फर्जी नर्सिंगहोमो और झोलाछाप डाक्टरों की बाढ आई है, लेकन कार्यवाई के नाम पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कानपुर में अंगुली डालकर बैठे रहते है और फिर दूसरे हादसे का इंतजार करते है। समय समय पर झोलाछाप डाक्टरों का शिकार हुए आम आदमी की मौत की खबरे सामाचारपत्रों में प्रकाषित होती रहती है, बावजूद इसके स्वास्थ्य महकमें द्वारा ऐसे झोलाछापों पर कोई ठोस कार्यवाई नही होती और हो भी क्यों, सारा खेल पैसे का है, नीचे से ऊपर तक स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। एक और झोलाछाप डॉक्टर के हाथो एक मौत हो गयी। वाक्या थाना रावतपुर क्षेत्र के चौरसिया मार्केट स्थित भाव्या मेडिकल सेंटर का है, जहां एक महिला को बुखार के बार उसके परिजन इलाज के लिए ले गये थे। इस मेडिकल सेंटर में जो अनरजिस्टर्ड बताया जाता है, यहां महिला के पहुंचने पर डाक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाया गया, जिसके बाद महिला को खून की उल्टियां शुरू हो गयी और उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। महिला का नाम 54 वर्षीय कलावती बताया जाता है और वह अपने पुत्र अजय राजपूत के साथ ईलाज के लिए आई थी। मृतका रावतपुर भट्टा की रहने वाली बताई जाती है।

आम व्यक्ति भी नही है जागरूक, हादसों के बाद भी नही खुलती आंखे

बात किसी अमीर या गरीब की नही है और न ही आज के समय में अच्छे डाक्टरों की कमी है। आज शहर के लगभग हर मोहल्लो में अच्छे, एमबीबीएस डाक्टरों की दुकाने होती है, पर अज्ञानता वश और लापरवाही की कारण आज भी अधिकांश लोग हल्की-फुल्की तबियत खराब होने पर मेडिकल स्टोर पर खडा हो जाता है और परेशानी बताने लगता है। मेडिकल स्टोर वाला भी डाक्टर बन उसे दवा दे देता है तो कभी कभी रिएक्शन कर जाती है और जान के लिए काल साबित होती है। ऐसे जहां झोलाछाप डाक्टर दोषी है तो वहीं आम जनता भी उतनी ही दोषी है। आज शहर में अच्छे और अनुभवि डाक्टरों की कमी नही है, लेकिन जहां सी लापरवारी से जान जा सकती है ऐसा आम जनता को भी समझना होगा।

विभागीय व्यवस्था ही बनी सुगम यातायात में बाधक, पुरानी व्यवस्था पुन: हो बहाल, चौराहो पर किया जाये इंतजाम

सड़क पर कट से घूमते छोटे-बड़े वाहनों के कारण दोनो ही पट्टियों में लगा रहता जाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम तथा सरल बनाने के लिए विभाग द्वारा शहर के कई चौराहों को बंद कर दिया गया था। अब सीधे मार्ग के वाहन चालको को तो आसानी हो गयी लेकिन उससे अधिक विकट समस्या यह खडी हो गयी, जिन वाहनों को चौराहा पार करना होता है, अब वह चौराहे के पास वाले कट से दूसरी पटटी में जाने के लिए पार होते है। ऐसे में इस पट्टी के अन्य वाहन चालकों को तो परेशानी होती है, दूसरी पटटी के वाहनों को भी परेशानी का सामना करना पडता है और इन कटो पर हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है।बतादें कि शहर की यातायात व्यवस्था को ठीक करने के लिए कुछ दिन पहले विभाग द्वारा शहर के कई प्रमुख चौराहो को बंद कर केवल दो तरफा लेन ही चालू रखी थी, लेकिन यही व्यवस्था अब धीरे-धीरे बडी परेशानी का कारण बन चुकी है। चौराहा पार करने वाले या दूसरी ओर जाने वाले हर प्रका के वाहन चौराहे के पास बने बट से घूमते है, जिससे दोनो पट्टी का आवा-गमन बुरी तरह प्रभावित होता है। जीटी रोड पर कई ऐसे मुख्य चौराहो है जहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है तो वहीं दुघर्टना होने का भी भय बना रहता है।

पुरानी व्यवस्था पुन: हो बहाल, चौराहो पर किया जाये इंतजाम

शहर का अफीमकोठी चौराहा, जीटी रोड स्थित अनवर गंज स्टेशन मोड, गुमटी गुह्यरूद्वारा चौराहा, कोकाकोला चौराहा, गुरूदेव टॉकीज आदि चौराहो को विभाग द्वारा यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे कुछ राहत तो हुई लेकिन चौराहों के आस-पास के कटो पर बहुत मुश्किले बढ गयी है, क्योंकि वाहन दूसरी तरफ जाने के लिए यहां से टर्न लेते है। यदि लोगों की माने तो पहले की व्यवस्था ठीक थी, चौराहे पर यातायात सिंग्नल और सिपाहियों के कारण वाहन समयानुसार चारो तरफ जा सकते थे, लेकिन इस व्यवस्था के बाद अब बहुत परेशानी होने लगी है। बडी संख्या में इन कटो से वाहन मुडने पर दोनो ही पटिटयों में जाम की स्थिति लगतार बनी रहती है।

अफीमकोठी चौराहे के आगे-पीछे दोनो कटो पर ज्यादा परेशानी

जरीब चौकी से टाटमिल जाने वाले माग पर पडने वाले अफीम कोठी चौराहो को भी बंद कर दिया गया है, अब जरीब चौकी से टाटमिल का सीधा आवागम हो सकता है और बारादेवी या चौराहे से हलीम चौराहे जाने वाले मार्ग आमने सामने के बंद हो गये है। चौराहे से टाटमिल की ओर बढने पर एक कट लगा है, जिससे छोटे-बडे वाहन टर्न लेते है और यहां हर समय बडा जाम लग जाता है। इसी पोजीशन अनवरगंज स्टेशन कट प् है, जहां टाटमिल और जरीब चौकी की ओर से आने वाले वाहन टर्न लेते है और जाम का कारण बनते है।

एक सिपाही ही संभाल सकता है चौराहे की व्यवस्था

इन बंद चौराहो के कारण कटो पर लगने वाले जाम और सडक की दोनो पटिटयों पर वाहन चालकों को होने वाली परेशानी पर वाहन चालकों कहना है कि पहले की व्यवस्था ज्यादा अच्छी थी। महज एक यातायात सिपाही पूरे चौराहे की व्यवस्था संभाल सकता है इसके लिए ट्राफिक सिंग्नल ठीक होने चाहिये साथ ही कैमरो की भी व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिऐ। यदि पूर्व की भांति व्यवस्था हो गयी तो वाहन चालकों को परेशानी भी नही होगी, जाम भी नही लगेगा और उनका समय भी बचेगा।

रिपोर्ट में साबित हुआ छात्र साहिल की मौत हत्या नही, था हादसा

रामा यूनिवर्सिटी के छात्र की मौत पर आई फॉरेंसिक व टेक्निकल टीम की रिपोर्ट

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, थाना बिठूर क्षेत्र के रामा यूनिवर्सिटी में एक घटित हुए एक वाक्ये में एमबीबीएस सेकेंड ईयर के छात्र साहिल सारस्वर्त उ अमन कुमार की मौत हो गयी गयी थी। घटना पर जहां छात्र के परिजनों के इसे हत्या का मामला बताया था तो अब वहीं फॉरेंसिक तथा टेक्निकल टीम की रिपोर्ट आने के बाद यह साबित हो चुका है कि साहिल की मौत हत्या नही अपितु हादसा थी और अब जल्द ही पुलिस इा प्रकरण में अपनी फाइनल रिपोर्ट दखिल करेगी।

रामा यूनिवर्सिटी में अध्यनरत एमबीबीएम द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल की मृत्यु के सम्बन्धि हो रही जांच में फोरेंसिक टीम तथा टेक्निकल टीम द्वारा अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को सौंप दी है और फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि छात्र की मौत हत्या नही थी। छात्र की मौत नशे की हालत में तीसरी मंजिल से गिरने पर हुई थी। अब इस सम्बन्ध में दर्ज मुकदमें में आगे की कार्यवाई की जायेगी। इससे पहले हादसे के बाद छात्र के परिजनों ने हत्या की बात कही थी। पुलिस द्वारा जांच के दौरान ऐसी कोई भी बात सामने नही आई जिससे किसी छात्र पर शक किया जा सके साथ ही वहां लगे सीसी टीवी कैमरे में भी किसी प्रकार का कोई सुराग नही मिला और अब रिपोर्ट आने के बाद यह हादसा साबित हो गया। प्रारम्भ में पुलिस केस को हत्या का मामला जानकार जांच शुरू की थी लेकिन जांच जैसे-जैसे आगे बढती गयी मामला साफ होता गया और 13 दिन की तहकीकात के बाद पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में हादसे की पुष्टि की है।

चौबेपुर के धान क्रय केंद्रों पर पहुंचे डीएम

जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित किसानो से संवाद स्थापित किया गया तथा किसानों से फसलों के विक्रय में आ रही किसी भी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। धान विक्रय कर चुके कृषक रामपाल पुत्र सत्यचरन से फोन से वार्ता की गयी जिसमें कृषक द्वारा धान तौल स्वीकार किया गया तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से इन्कार किया गया।

- किसानों से भी बात करके डीएम ने सुनी समस्याएं
- खरीद प्रभारी को निर्देश है कि किसानों को समय से भुगतान किया जाए

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा आज तहसील बिल्हौर में स्थित राजकीय धान क्रय केंद्र चौबेपुर का औचक निरीक्षण किया गया। क्रय केंद्र चौबेपुर में धान खरीद हेतु 02 धान क्रय केंद्र स्थापित हैं। 08.12.2023 तक प्रथम केन्द्र पर 68 किसानों से 3012.80 कुन्तल तथा द्वितीय केन्द्र पर 63 किसानों से 3413.60 कुन्तल धान खरीद की गयी है।

निरीक्षण के दौरान दोनों धान क्रय केंद्र में क्रय प्रक्रिया संचालित पाई गई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित किसानो से संवाद स्थापित किया गया तथा किसानों से फसलों के विक्रय में आ रही किसी भी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। धान विक्रय कर चुके कृषक रामपाल पुत्र सत्यचरन से फोन से वार्ता की गयी जिसमें कृषक द्वारा धान तौल स्वीकार किया गया तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से इन्कार किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा क्रय केन्द्र पर उपस्थित अपर जिलाधिकारी आपूर्ति एवंक्रय केंद्र प्रभारी को कई निर्देश दिए गए।

अपर जिलाधिकारी, आपूर्ति यह सुनिश्चित करें कि जनपद के समस्त धान क्रय केंद्रो में विक्रय हेतु आने वाले किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो तथा फसल विक्रय करने वाले किसानों को भुगतान शीघ्र कराया जाए। समस्त क्रय केंद्रो में शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान, का क्रय सुनिश्चित किया जाए तथा सभी क्रय केंद्रो में भंडारण की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध रहे। समस्त क्रय केंद्रों में केंद्र प्रभारी द्वारा किसानों से सम्पर्क करते हुए सम्पर्क रजिस्टर में उनके अद्यावधिक विवरण अंकन करना सुनिश्चित किया जाए । केंद्र प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि धान क्रय करते हुये समय से मिलों धान को प्रेषण कराएं। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (ना0आ0)/जिला खरीद अधिकारी, तहसीलदार उपस्थित रहे।

शोहदे ने किया प्राइवेट हॉस्पिटल की नर्स का अपहरण

कार्यवाई के दौरान एक युवक को लिया गया हिरासत में, दूसरा साथी फरार

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। शहर में समय समय पर शोहदों द्वारा युवतियों को परेशान करने की घटनाये सामने आती रहती है। इस बाद शोदहे ने एक प्राइवेट हॉस्पिटल की नर्स का ही अपहरण कर लिया। नर्स के माता-पिता को उसकी जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचित किया गया और पुलिस द्वारा जहां शोहदे को गिरफ्तार कर लिया गया तो वहीं उसका दूसरा साथी भागने में कामयाब रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल्याणपुर क्षेत्र के एक हॉस्पिटल में कार्यरत् नर्स का अपहरण कर लिया गया। बताया जाता है कि जब दो दिन से बेटी अपने घर नही पहुंची तो उसके माता-पिता ने उसके बारे में जानकारी लेना शुरू कर दिया। दूसरी ओर शोहदे द्वारा अपरहत युवती को एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया था, इसकी जानकारी युवती के माता-पिता को हो गयी और उनके द्वारा घटना के बाबत 112 नम्बर डायल कर पुलिस को जानकारी दी गयी। हरकत में आई पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया तो वहीं उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा। मामला थाना कल्याणपुर क्षेत्र का है। बंधन से मुक्त कराई गयी युवती से पुलिस द्वारा पूंछ-तांछ की जा रही है।

शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क पहुंची ट्राईसाईकिले, विधायक सुरेन्द मैथानी के हांथों होंगी वितरित

दिव्यांगजन 9 व 10 दिसम्बर को करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा सरकार की कृतिम अंग योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के सहयोग से ट्राईसाईकिल, बैसाखी, कान की मशीन, व्हील चेयर , ब्लाइंड स्टीक आदि उपकरणों का वितरण किया जायेगा।

जिन दिव्यांगजन को ट्राईसाईकिल व अन्य उपकरणों की आवश्यकता हो वो शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क मे आकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। दिव्यांगजन को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए अपने साथ आय प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, एक फोटो लेकर आना होगा। वही दिव्यांगजन रजिस्ट्रेशन के लिये आवे जिन्हें तीन वर्ष के अन्दर उपकरण न मिला हो। सरकार के नियमों के अनुसार जिन दिव्यांगजन को उपकरण मिल जाता है उन्हें तीन वर्ष बाद ही उपकरण देने का प्रावधान है। उपकरणों का वितरण विधायक सुरेन्द मैथानी के द्वारा किया जाना है। यह जानकारी राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने दी है।

चूड़ियां, चेन और झुमके समेटकर भागे, व्यापारियों ने नहीं किया कोई संदेह

- पुलिस का मानना है कि सराफा कारोबारियों ने देर से जानकारी दी
- रविवार रात कई व्यापारियों से संपर्क कर मांगे रुपये
- दिल्ली, मुंबई या नेपाल भागने की आशंका
- साढ़े 12 बजे फोन उठा, लेकिन कोई आवाज नहीं आई

पुलिस का मानना है कि सराफा कारोबारियों ने उन्हें देर से जानकारी दी, शनिवार को ही कई कारोबारियों को यह जानकारी हो गई थी कि संपत, उसकी पत्नी और मुकेश माल लेकर फरार हो गए हैं। अगर समय से जानकारी मिलती, तो अब तक कुछ न कुछ सुराग मिल जाता।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर महानगर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज अरोरा ने बताया कि संपत राव ने 10 से 15 दिनों में सराफा बाजार के अधिक से अधिक कारोबारियों से सोना व रुपये जुटाए। तीन दशक से बेकनगंज सराफा बाजार में उसके कारोबार करने से कारोबारियों ने भी उस पर संदेह नहीं किया।

अचानक शनिवार की रात वह दुकान बंद करके भाग गया। सोमवार तक उसकी दुकान नहीं खुली, तो कारोबारियों को संदेह हुआ।

इस पर संपत, उसके साले महेश और पत्नी संध्या को कॉल किया तो सभी के फोन स्विच ऑफ मिले। ठगी के शिकार हुए कारोबारी बड़ी संख्या में मंगलवार की दोपहर कानपुर महानगर सराफा एसोसिएशन के बैनर तले पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचे और जेसीपी नीलाब्जा चौधरी से मुलाकात की। पूरे मामले की जानकारी देने के साथ ज्ञापन सौंपा और संपत व उसके साथियों की गिरफ्तारी करने व माल वापस दिलाने की मांग की।इस दौरान अपनी व्यथा सुनाते हुए कई छोटे कारोबारियों की आंखें भर आईं। बताया कि संपत ने किसी कारोबारी से ग्राहक को दिखाने के लिए चूड़ियां लीं तो किसी से झुमके और चेन। इस तरह से भी उसने सोना जुटाया। कारोबारियों ने बताया कि संपत की उम्र 45 साल है। वह 15 साल की उम्र में अपने जीजा के साथ यहां आया था। पहले उसके जीजा यही काम करते थे। जल्द ही घुलमिल जाने से संपत को कारोबारी परिवार की तरह मानते थे।

कई से तो उसके घरेलू संबंध भी थे। लगभग एक महीने पहले उसने बाजार में कहा था कि उसके परिवार में शादी है। इस लिए वह दिसंबर के पहले सप्ताह में परिवार के साथ महाराष्ट्र स्थित घर जाएगा। शादी निपटाने के बाद 14 दिसंबर को लौटेगा, इससे पहले वह व्यापारियों का सारा हिसाब खत्म करेगा। इस बीच उसने कई कारोबारियों को चेक देकर रकम भी उधार ली।

वहीं, अचानक शनिवार की रात वह भाग गया।

वहीं, लगातार संपत से संपर्क कर रहे कारोबारियों में से एक ने बताया कि सोमवार रात लगभग साढ़े 12 बजे उसका फोन उठा पर कोई आवाज नहीं आई। यहां एसोसिएशन के अध्यक्ष ने जीसीपी से कहा कि 48 से 72 घंटे देखने के बाद एसोसिएशन आगे का निर्णय लेगी। इस दौरान महामंत्री अशोक बाजपेई के अलावा आयूब खान, शिव सोनी, दुर्गा केसरवानी, अजय तिवारी समेत कई लोग मौजूद थे। जेसीपी के साथ ही डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार, डीसीपी पश्चिम विजय ढुल भी मौजूद रहे।कारोबारियों ने बताया कि रविवार की रात संपत ने कई लोगों को फोन किया था। उसने बताया कि वह लखनऊ के एक मॉल में परिवार के साथ खरीदारी करने आया है। पैसे कम पड़ गए है, उसे ऑनलाइन खाते में रुपये ट्रांसफर कर दें। संपत पर विश्वास कर कई व्यापारियों ने रुपये भेजे थे। कारोबारियों ने कहा कि अगर पुलिस उसके खाते की जांच करेगी, तो उसके रुपयों का ट्रांजेक्शन करने पर लोकेशन मिल सकती है।

सोमवार को संपत के भागने की जानकारी होने पर पीड़ित कारोबारियों ने बाजार में हंगामा करने के बाद बजरिया थाने में तहरीर दी। वहां सुनवाई नहीं होने पर मंगलवार को कारोबारी जेसीपी से मिले और शिकायत दर्ज कराई। जेसीपी ने बताया कि आरोपी व साथियों को पकड़ने के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। इसके साथ ही एफआईआर भी दर्ज की गई है। इतना ही नहीं दिल्ली, मुंबई समेत अन्य एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर उसकी तस्वीर भी साझा की जा रही है।

पुलिस का मानना है कि सराफा कारोबारियों ने देर से जानकारी दी

एक जानकारी यह भी मिली है कि वह महाराजगंज बॉर्डर से होता हुआ नेपाल भी भाग सकता है। इस पर महाराजगंज पुलिस से भी संपर्क कर संपत की तस्वीर साझा की गई है। वहीं, पुलिस का मानना है कि सराफा कारोबारियों ने उन्हें देर से जानकारी दी, शनिवार को ही कई कारोबारियों को यह जानकारी हो गई थी कि संपत, उसकी पत्नी और मुकेश माल लेकर फरार हो गए हैं। अगर समय से जानकारी मिलती तो अब तक कुछ न कुछ सुराग मिल जाता।

आईएमए हॉल में हुआ गुरवानी कथा कीर्तन एवं विशाल लंगर

कानपुर । इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा द्वारा सर्व धर्म समभाव के अंतर्गत आध्यात्मिक कार्यक्रम जगत गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर बड़ी श्रद्धा भावना से गुरवानी कथा- कीर्तन एवं लंगर का आयोजन आईएमए कानपुर की प्रांगण परेड में किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में दोपहर 12 से 2 बजे तक गुरुवाणी कथा – कीर्तन उपरान्त लंगर प्रशाद वितरित होगा। इस पर्व पर विशेष रूप से भाई जसविंदर सिंह देहरादून से आकर उन्होंने गुरुवाणी का कीर्तन एवं गुरुनानक साहिब जी की शिक्षाओं से सभी को अवगत कराया। इसके उपरांत गुरु का लंगर प्रसादी का वितरण सांय तक किया गया। साथ ही एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमे लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस शिविर में चिकित्सक और उनके परिवार जनों के द्वारा 11 लोगो ने रक्तदान किया। इस अवसर पर आईएमए कानपुर की अध्यक्ष डॉ नंदिनी रस्तोगी, चेयरपर्सन कम्युनिटी वेलफेयर सब कमेटी डॉ वी सी रस्तोगी आदि रहे।

पुलिस कमिश्नर डॉ. आरके स्वर्णकार इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कोर्ट के आदेश पर भी रिपोर्ट दर्ज न करना कैंट दरोगा अजय कुमार सिंह को भारी पड़ा गया। पुलिस कमिश्नर डॉ. आर के स्वणकार बुधवार को हाई कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। बता दें कि यह मामला कार चोरी से जुड़ा है। इस मामले में हाई कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को तलब कर लिया था।

दलपतपुर, प्रेमपुर निवासी रविकांत उज्जम अधिवक्ता हैं। रविकांत के अनुसार एक अगस्त 2023 को कचहरी से घर वापस जाते समय देर शाम लगभग साढ़े सात बजे उनकी कार जीटी रोड चांदमारी क्षेत्र में मनोज इंटरनेशनल पीएसी मोड़ के पहले अचानक खराब हो गई थी। उन्होंने कंपनी के टोल नंबर पर कॉल की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद वह खुद फजलगंज स्थित कार्यालय पहुंचे तो वहां बताया गया कि कर्मचारी कल मिल पाएंगे। जब वह लौटकर आए तो देखा कि कार अपने स्थान पर नहीं थी। दो अगस्त को रात लगभग एक बजकर छह मिनट पर टोल टैक्स कटने का एसएमएस उन्हें मिला।उन्हें जानकारी मिली कि टोल प्लाजा पानीपत का था। वह सूचना देने थाना चकेरी पहुंचे, लेकिन कार चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद 19 अगस्त 2023 को उन्होंने स्थानीय न्यायालय में धारा 156 (3) के तहत मुकदमा दर्ज करने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। इसके बाद जांच हुई तो घटनास्थल थाना छावनी का पाया गया। दो सितंबर 2023 को अदालत ने उक्त प्रकरण में कैंट इंस्पेक्टर को रिपोर्ट लिखकर जांच करने का निर्देश दिया। आरोप है कि कैंट इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया और मुकदमा दर्ज करने से मना कर दिया।

क्या है धारा 166 ए में कार्यवाही

इस धारा में उस सरकारी अधिकारी या कर्मचारी के बारे में बताया गया है, जो कानून के निर्देश की अवहेलना या उल्लंघन करता है। ऐसा करने वाले दोषी लोक सेवक को कठोर कारावास से दंडित करने का प्रावधान है, जिसकी अवधि छह माह से कम नहीं होगी। यह अवधि अधिकतम दो वर्ष तक की हो सकती है। साथ ही दोषी पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यूपी में शुरू होगी लाडली बहना की तर्ज पर नई योजना, जल्द ही महिलाओं के लिए नई योजना शुरू हो सकती है

मध्य प्रदेश में में बीजेपी की वापसी का बड़ा श्रेय लाडली बहना योजना को दिया जा रहा है. कहा जा रहा है कि शिवराज सरकार ने महिलाओं के खाते में हर महीने 1250 रुपये भेजे, वो सीधे वोट में कन्वर्ट हो गए. इसके बाद बीजेपी ने दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया. इसके बाद अब लाडली योजना उत्तर प्रदेश पहुंचने की तैयारी में है. जल्द ही महिलाओं के लिए नई योजना शुरू हो सकती है. इसके साथ ही यूपी सरकार किसानों को भी बड़ी सौगात देने की तैयारी कर रही है. इससे साफ हो गया है कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव पर फोकस करना शुरू कर दिया है.

मध्य प्रदेश की लाडली बहना की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी महिलाओं के लिए कोई योजना शुरू हो सकती है. सूत्रों के ,मुताबिक प्रदेश में सरकार महिलाओं के लिए ऐसी ही कोई योजना ला सकती है. इसके जरिए महिलाओं के लिए संचालित मौजूदा योजनाओं के लाभ में वृद्धि भी की जा सकती है. वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में महिला वोट को साधने के लिए इसकी घोषणा हो सकती है.

सूत्रों के अनुसार, महिलाओं के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को भी साधने की कोशिश करेगी. लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में किसानों को निजी नलकूपों पर मुफ्त बिजली की सौगात देकर किसानों को भी साधेगी. इससे पहले जनवरी 2022 में सीएम योगी आदित्यनाथ ने निजी नलकूप वाले किसानों के बिजली बिल में 50 फीसदी की छूट दी थी.

यूपी भाजपा को जल्द नया प्रभारी मिलेगा. भाजपा महीने के आखिरी तक यूपी के नए प्रभारी की नियुक्ति कर सकती है. बता दें कि राधा मोहन सिंह का कार्यकाल पूरा हो चुका है. राधा मोहन सिंह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा भी नहीं है. प्रभारी की नियुक्ति के लिए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ गुजरात के पूर्व डिप्टी ष्टरू नितिन पटेल और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के नाम की चर्चा चल रही है. प्रभारी के साथ ही सह चुनाव प्रभारी भी तैनात किए जाएंगे. केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव का जिम्मा संभालने की जिम्मेदारी दी जा सकती है. बीजेपी दो सह चुनाव प्रभारी तैनात कर सकती है.

तीन राज्यों में बहुमत मिलने के बाद क्छ्क ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है. विपक्ष के नाराज नेताओं पर क्छ्क का मुख्य फोकस रहेगा. क्छ्क ने हर जिले में विपक्ष के पूर्व सांसदों विधायकों से संपर्क करना शुरू किया है. बीजेपी ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में संयोजक और प्रभारियों को नियुक्त किया है. क्छ्क ने 2019 में हारी हुई 14 सीटों पर भी लोकसभा क्षेत्र प्रभारी और संयोजक नियुक्त किए हैं. जल्द सभी लोकसभा चुनाव में क्षेत्रों में चुनाव संचालन समिति बनाई जाएगी.

मांस की दुकान बंद कराने नहीं बल्कि अवैध बूचड़खानों को बंद कराने गए थे, बवाल मचा तो स्पष्टीकरण दिया

राजस्थान की राजधानी जयपुर की हवामहल सीट से जीत दर्ज करने वाले भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह अवैध बूचड़खानों पर पहुंच कर उन्हें बंद कराने की मांग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान बालमुकुंदाचार्य एक अधिकारी को फोन पर डांटते हुए भी नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो एक वर्ग भाजपा विधायक की आलोचना करने लगा। लेकिन आलोचनाओं का जवाब देते हुए विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि वह मांस की दुकान बंद कराने नहीं गए थे बल्कि अवैध बूचड़खानों को बंद कराने गए थे। भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य का कहना है कि इस इलाके को अपरा काशी कहा जाता है और यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं लेकिन अवैध बूचड़खानों के बाहर सड़कों पर मांस काटे जाने की तस्वीरों के चलते यहां की छवि कराची जैसी प्रदर्शित की जा रही है जोकि गलत है ।अपने वायरल वीडियो पर सफाई देते हुए बालमुकुंदाचार्य ने मीडिया से कहा कि हमें इस बात पर कोई आपत्ति नहीं है कि कौन क्या खाता पीता है। उन्होंने कहा कि लेकिन सड़कों पर खुलेआम ऐसा नहीं होना चाहिए। सब चीजें नियम कायदे से चलने चाहिए ।बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि बगैर लाइसेंस के कोई व्यापार नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान जब मैं लोगों से जनसंपर्क करता था तब माताएं और बहनें शिकायत करती थीं कि हम गोविंद देवजी के मंदिर जाते हैं तो रास्ते में इतनी सारी मीट मांस की दुकानें हैं जिसके चलते वहां कुत्ते घूमते रहते हैं और वो काटते भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां पर गाय का मांस भी बेचा जाता है जिस पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारी को फोन करके सिर्फ यही कहा था कि जो गलत काम हो रहे हैं उन्हें रुकवाया जाये ।दूसरी ओर, बालमुकुंदाचार्य के बयान पर राजनीति भी तेज हो गयी है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि नॉनवेज फूड स्टॉल लगाने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि ये गलत है। ऐसा करना गलत है।

अधीर रंजन की बीजेपी को चुनौती, हिम्मत है तो 2024 से पहले पाक छीनकर दिखाओ

पाक अधिकृत कश्मीर को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद राजनीतिक बवाल मचा हुआ है। दरअसल, जम्मू कश्मीर से जुड़े एक विधेयक पर हुए चर्चा का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा था कि जवाहरलाल नेहरू की गलतियों की वजह से पीओके का जन्म हुआ। अब इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साथ रही है। इन सबके बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा को चुनौती दी है। उन्होंने कहा है

कि अगर हिम्मत है तो 2024 से पहले पीओके को हासिल करके दिखाओ, पूरा देश आपको वोट करेगा।

अधीर रंजन चौधरी ने अपने बयान में कहा कि इस मामले पर सदन में पूरे दिन चर्चा होनी चाहिए। ये कोई छोटी बात नहीं है। भारत का इतिहास सिर्फ अमित शाह ही नहीं जानते, और भी होंगे। ताकि, देश के लोगों को पता चलेज्जब 2019 में अनुच्छेद 370 हटाया गया था, तो अमित शाह ने कहा था कि पीओके वापस लाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को सत्ता में आए 10 साल हो गए, अटल बिहारी वाजपेयी 6 साल तक सत्ता में रहे। तो, भाजपा को कौन रोक रहा है? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2024 चुनाव से पहले पीओके वापस लो। पूरे भारत का सारा वोट आपको मिलेगा

गृह मंत्री अमित शाह के क्श्य वाले बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारुख़ अब्दुल्ला ने कहा कि सवाल है कि पहले चुनाव हो। उन्होंने कहा था कि वे तारीखें बताएंगे लेकिन अभिभाषण खत्म होने के बाद उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई, हमारी मांग है चुनाव होने चाहिए। ऋछ्छ प्रमुख लालू यादव ने कहा कि अमित शाह को कोई जानकारी नहीं है। क्श्य और जम्मू-कश्मीर में अभी जो हमले हो रहे हैं उन सबके लिए अमित शाह ज़िम्मेदार हैं। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू को गाली देना और गलत तथ्य रखना भाजपा की आदत बन गई हैज आप आज कुछ भी कह सकते हैं क्योंकि जवाहरलाल नेहरू जवाब देने के लिए यहां नहीं हैं। यदि जवाहरलाल नेहरू ने अपनी बुद्धि का प्रयोग न किया होता, प्रयास न किया होता तो श्रीनगर हमारे पास नहीं होता।

गाँव के ब्याह, जब घर घर से आ जाती थी चारपाई

पहले गाँव में न टेंट हाऊस थे और न कैटरिंग

थी तो बस सामाजिकता ।

गांव में जब कोई शादी ब्याह होते तो घर घर से चारपाई आ जाती थी,हर घर से थरिया, लोटा, कलछुल, गिलास, परात, कराही इकट्ठा हो जाता था और गाँव की ही महिलाएं एकत्र हो कर खाना बना देती थीं ।औरते ही मिलकर दुल्हन को तैयार कर देती थीं और हर रस्म का गीत गारी वगैरह भी खुद ही गा डालती थी।

तब ष्छ्छ अनिल-ष्छ्छ सुनील जैसी चीज नही होती थी और न ही कोई आरकेस्ट्रा वाले फूहड़ गाने ।

गांव के सभी चौधरी टाइप के लोग पूरे दिन काम करने के लिए इकट्ठे रहते थे।

हंसी ठिठोली चलती रहती और समारोह का कामकाज भी ।

शादी ब्याह में गांव के लोग बारातियों के खाने से पहले खाना नहीं खाते थे क्योंकि यह घरातियों की इज्ज़त का सवाल होता था ।

गांव की महिलाएं गीत गाती जाती और अपना काम करती रहती ।

सच कहूं तो उस समय गांव मे सामाजिकता के साथ समरसता होती थी।

खाना परसने के लिए गाँव के लौंडों का गैंग ontime इज्जत सम्हाल लेते थे।

कोई बड़े घर की शादी होती तो टेप बजा देते जिसमे एक कॉमन गाना बजता था-मैं सेहरा बांधके आऊंगा मेरा वादा है और दूल्हे राजा भी उस दिन खुद को किसी युवराज से कम न समझते।

दूल्हे के आसपास नाऊ हमेशा रहता, समय-समय पर बार झारते रहता था कंघी से और समय-समय पर काजल-पाउडर भी पोत देता था ताकि दूल्हा सुंदर लगे।

फिर दुवरा का चार होता फिर शुरू होती पण्डित जी की महाभारत जो रातभर चलतीज

पंगत में खाना होता था ना कोई wastage ना बर्बादीज.

लोग पूछ पूछ कर खाना परोसते थे कोई कोई तो शर्म के मारे कम ही लेता थाज.

अब तो सब कुछ artificial है.. ना कोई स्वागत ना आवभगत बस जाओ पैसे दो और अपने आप लेकर खा कर आ जाओज..

कोई पूछता नहीं की आपने खाया की नहींज..

दुल्हन का 50 किलो का makeup और आजकल दूल्हे भी पार्लर जाते हैंज. मतलब सब कुछ दिखावटीज

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट प्रकाशित न करें: अदालत

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने फेसबुक, एक्स और यूट्यूब सहित प्रमुख सोशल मीडिया मंचों को धार्मिक नेता आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की छवि खराब करने वाले पोस्ट हटाने और उनके बारे में सामग्री की सत्यता की जांच किए बिना ऐसे किसी भी पोस्ट को प्रकाशित नहीं करने का अंतरिम आदेश दिया है ।न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी ने रंजीत सिंह पटेल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया। पटेल ने खुद को छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर शास्त्री का शिष्य बताया है ।अदालत के चार दिसंबर के आदेश में कहा कि शास्त्री के बारे में कोई भी खबर प्रकाशित करने से पहले उन्हें (प्रकाशकों को) पत्रकारिता आचरण के मानदंडों का पालन करना चाहिए और पहले संबंधित व्यक्ति से ऐसी खबरों/ सूचनाओं की सत्यता का पता लगाना चाहिए कि यह उनकी छवि के लिए अपमानजनक है या नहीं।

गलती से पानी के साथ पी गया मधुमक्खी, भोजन नली और जीभ में ऐसा काटा हुई दर्दनाक मौत

मध्य प्रदेश के भोपाल से एक विचित्र मामला सामने आया है जिसे सुनकर लोगों के होश उड़ गये हैं। भोपाल में 22 वर्षीय एक व्यक्ति की पानी पीते समय गलती से मधुमक्खी निगलने और उसके बाद जीभ और भोजन नली में मधुमक्खी के काट लेने से मौत हो गई।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस निरीक्षक नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि बुधवार रात जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर बैरसिया इलाके में मजदूर हिरेंद्र सिंह ने अपने घर में एक गिलास पानी पीते समय गलती से मधुमक्खी को निगल लिया।

कुलस्ते ने बताया कि हिरेंद्र सिंह ने सांस लेने में तकलीफ और बेचैनी की शिकायत की क्योंकि उनकी भोजन नली में सूजन थी और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनके अनुसार जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां बृहस्पतिवार देर रात करीब एक बजे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान पीड़ित व्यक्ति ने उल्टी कर मृत मधुमक्खी को निकाल दिया।

पुलिस ने बताया कि बैरसिया के मानपुरा चक गांव का रहने वाला मृतक हिरेंद्र सिंह (22) खेत में मजदूरी करता था। उसके भाई मलखान सिंह ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात करीब 9 बजे हिरेंद्र ने खाना खाया और फिर पानी पिया। अंधेरा होने के कारण वह यह नहीं देख सका कि पानी के गिलास में मधुमक्खी है और उसने पानी पी लिया। जब उसने उसे निगला तो मधुमक्खी जीवित थी। उन्होंने सांस लेने में परेशानी की शिकायत की।

मलखान, हिरेंद्र के नियोक्ता हिम्मत सिंह धाकड़ के साथ उसे बैरसिया के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन हिरेंद्र को निजी अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान मधुमक्खी उल्टी के साथ बाहर आ गई। पुलिस ने कहा कि ऐसा संदेह है कि मधु मक्खी ने मृतक को काट लिया, जिसके कारण सूजन हो गई और दम घुटने से उसकी मौत हो गई।

महामानव थे बाबा साहब : सीएम योगी

- सीएम योगी आदित्यनाथ ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ भीमराव आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि
- उनके आदर्शों से लें प्रेरणा, विभाजनकारी ताकतों से रहें सावधान
- हजरतगंज में बाबा साहब की प्रतिमा पर सीएम ने किया माल्यार्पण

बीपीएस न्यूज

लखनऊ, 6 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर बाबा साहब को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ आंबेडकर के योगदान को याद किया। सीएम योगी ने बुधवार को सबसे पहले हजरतगंज स्थित अटल चौक पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री विधानसभा मार्ग स्थित डॉ. आंबेडकर महासभा परिसर पहुंचे। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर महामानव थे, जिनके सपनों को साकार करने का कार्य डबल इंजन की सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग समाज को बांटकर देश को कमजोर करने का कार्य कर रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने डॉ भीमराव आंबेडकर के विचारों पर बोलते हुए कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे सबसे पहले और सबसे अंत में भारतीय है। आज कुछ लोग भारत को कोसते हैं और भारतीयता का अपमान करते हैं। जातीयता के नाम पर समाज में खाई उत्पन्न करने का काम करते हैं। ऐसे लोग सच मायने में बाबा साहब का अपमान करते हैं। बाबा साहब को भी लालच देने का काम हुआ था, मगर बिना झुके और बिना डिगे वे भारत और भारतीयता के लिए काम करते रहे। दुनिया में कहीं भी दबे कुचले समाज को बुलंद करने की बात आती है तो लोगों के दिमाग में बाबा साहब आंबेडकर का नाम आता है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सपनों को साकार करने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार अनेक कार्य कर रही है। बाबा साहेब के पंच तीर्थों की स्थापना का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया। हमने जाति नहीं बल्कि उसकी आवश्यक्ताओं के आधार पर कार्य किया। 2014 के पहले आवास एक सपना होता था। आज देश के 4 करोड़ लोगों के पास अपना पक्का आवास है। लक्ष्य है कि जो बचे हैं उन्हें भी उपलब्ध कराएंगे। गांव हो या शहर हर दलित, वंचित और गरीब को आवास उपलब्ध कराएंगे। हर घर शौचालय अभियान मैला ढोने की कुप्रथा का उपचार बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से कोरोना अगर 2014 से पहले आता तो क्या हम बच पाते, क्योंकि तब की सरकार के पास कोई दृष्टि नहीं थी। उन्होंने बताया कि 1970 में इन्सेफलाइटिस बीमारी आई, जिसके चलते 40 साल में 50 हजार बच्चों की मौत हुई थी। ये बच्चे दलित और अल्पसंख्यक समाज के थे। आज इस बीमारी को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है। ऐसे ही कोरोना में प्रधानमंत्री ने अपने लीडरशिप में हर योजना की निगरानी की। गरीब को राशन उपलब्ध कराना, फ्री में जांच, उपचार और वैक्सीन उपलब्ध कराया गया। ऐसा पूरी दुनिया में कहीं नहीं हुआ। पहले की सरकार चेहरा देखकर कार्य करती थी। कोई दलित समर्थक होता था कोई दलित विरोधी। जो दलित समर्थक थे वो भी उनके नाम पर रोटी सेंकते थे। कभी कोई मुसहर, वनटांगिया, बहरिया, सहिरया, कोल, चेरो के बारे में नहीं पूछता था। बाबा साहब ने इनके उत्थान के लिए कार्ययोजना बनाने की बात कही थी, मगर 70 साल तक इन्हे वोट देने से भी वंचित रखा गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का आह्वान किया कि वह एक बार श्रमिकों के बच्चों के लिए बनाये गये अटल आवासीय विद्यालय जाकर देखें कि वहां कैसी व्यवस्था की गई है। उन्होंने अभ्युदय कोचिंग की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें अधिक से अधिक दलित बंधुओं के बच्चे कम्पटीशन की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, एमएलसी लाल जी प्रसाद निर्मल, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिंदी सिनेमा के जूनियर महमूद कैंसर से हारे, 67 साल की उम्र में हुआ निधन

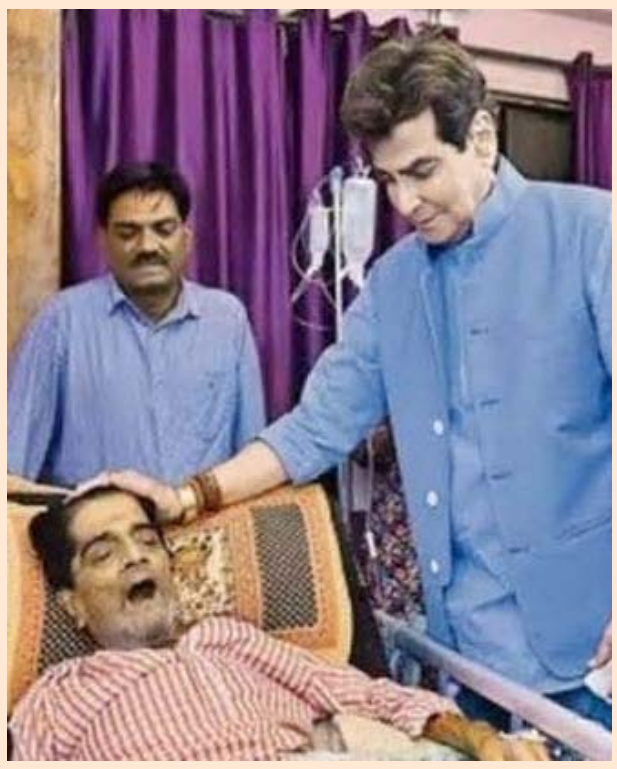

हिंदी सिनेमा में चार दशक तक अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाले अभिनेता जूनियर महमूद अब नहीं रहे। कुछ समय पहले ही पता चला था कि अभिनेता चौथे स्टेज के कैंसर से जूझ रहे हैं। जूनियर महमूद कैंसर से जंग हार गए। आधी रात को अभिनेता ने 67 साल की उम्र में आखिरी सांस ली।

अभिनेता के निधन से सिनेमा जगत को गहरा झटका लगा है।,हृ के मुताबिक, जूनियर महमूद के निधन की पुष्टि उनके एक फ्रेंड ने की है। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर की प्रार्थना के बाद सांताज़रूज कब्रिस्तान में किया जाएगा।

देश के अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में जूनियर महमूद की फैमिली ने निधन की पुष्टि की और बताया कि फोर्थ स्टेज कैंसर की वजह से वह किस दर्द से गुजरे। महमूद के बेटे हुस्नेन ने कहा, फ्र्हमें उनके चौथे स्टेज के पेट के कैंसर के बारे में 18 दिन पहले ही पता चला था। हम उन्हें टाटा मेमोरियल अस्पताल ले गए। वहां के डीन ने हमें बताया कि इस स्तर पर उपचार और कीमोथेरेपी बहुत दर्दनाक होगी। अस्पताल ने सुझाव दिया था कि हम घर पर ही उनकी देखभाल करें।

चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में शुरू किया करियर

जूनियर महमूद ने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने चार दशक के करियर में सात भाषाओं में 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। वह राजेश खन्ना (Rajesh Khanna) से लेकर अमिताभ बच्चन और राज कपूर जैसे सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। जूनियर महमूद की फिल्मों की लिस्ट में 'मेरा नाम जोकर', 'कारवां', 'हाथी मेरे साथी', 'मोहब्बत जिंदगी है', 'नैनिहाल', 'हरे रामा हरे कृष्णा', 'बाप नंबरी बेटा 10 नंबरी' समेत कई ब्लॉकबस्टर शामिल हैं।

बॉबी देओल की मां ने देखी एनिमल फिल्म, एक्टर की लगा दी क्लास, कहा- तू अब से ऐसी फिल्म नहीं करेगा

बॉबी देओल का कहना है कि मां प्रकाश कौर एनिमल देखना बर्दाश्त नहीं कर सकीं, खलनायक प्रदर्शन पर पत्नी और बेटों की प्रतिक्रिया का खुलासा किया ऐसी फिल्म मत किया कर तू।अभिनेता बॉबी देओल ने रणबीर कपूर अभिनीत और संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित नई ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में अपने प्रदर्शन पर अपने परिवार की प्रतिक्रिया का खुलासा किया। एक इंटरव्यू में बॉबी ने कहा कि उनके पिता धर्मेंद्र और उनके बड़े भाई सनी देओल ने अभी तक फिल्म नहीं देखी है। लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी मां अति-हिंसक फिल्म को लेकर काफी ज्यादा कंसर्न थीं। बॉबी ने एनिमल मुख्य प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाई है।पिंकविला से बात करते हुए, बॉबी ने कहा कि जैसे वह करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र के किरदार को मरते हुए नहीं देख सकते थे, वैसे ही उनकी मां एनिमल में उनके किरदार को मरते हुए नहीं देख सकती थीं। उन्होंने कहा कि मेरी माँ मेरी मृत्यु के दृश्य को संभाल नहीं सकीं। वह कहती थीं, %ऐसी फिल्म मत किया कर तू, मुझे नहीं देखा जाता (आपको ऐसी फिल्में नहीं करनी चाहिए, मैं उन्हें नहीं देख सकती)।% मैंने उनसे कहा, %देखो, मैं तुम्हारे सामने खड़ा हूं, मैंने बस एक भूमिका निभाई है।% लेकिन वह बहुत खुश है... उसे जितने फोन कॉल आ रहे हैं, उसके सभी दोस्त मुझसे मिलना चाहते हैं। आश्रम रिलीज़ होने पर भी कुछ ऐसा ही हुआ था।बॉलीवुड हंगामा के साथ एक अलग साक्षात्कार में, उन्होंने फिल्म पर अपने परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में बात की। मेरे पिता और मेरे भाई ने इसे नहीं देखा है, लेकिन बाकी सभी ने देखा है। उन्हें बिल्कुल वैसा ही महसूस हो रहा है जैसे दर्शक मुझ पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

दयाबेन की वापसी के बारे में तेजी से हो रही है चर्चा

तारक मेहता का उल्टा चश्मा हिंदी टेलीविजन पर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला सिटकॉम है। यह शो पिछले एक दशक से अधिक समय से सफलतापूर्वक चल रहा है और इसने बड़े पैमाने पर प्रशंसक जुटाए हैं। हालाँकि, मेकर्स द्वारा दिशा वकानी उर्फ दयाबेन को वापस लाने का झूठा वादा करने के बाद प्रशंसक अब शो का बहिष्कार कर रहे हैं। उन लोगों के लिए जो एक दशक से सो रहे हैं, दिशा वकानी और मोनिका भदोरिया ने इस साल जून में तारक मेहता का उल्टा चश्मा छोड़ दिया। अटकलें लगाई जा रही थीं कि भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण दोनों ने शो छोड़ दिया है।भदोरिया ने खुलासा किया था कि असित मोदी ने उन्हें उनकी मां के निधन के बाद निर्धारित दिनों में वापस लौटने के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा था, फ्र्मैं सदमे में थी लेकिन उन्होंने मेरी मां की मौत के सात दिन बाद ही मुझे फोन किया और सेट पर रिपोर्ट करने के लिए कहा। जब मैंने कहा कि मेरी हालत ठीक नहीं है तो उनकी टीम ने कहा, हम आपको पैसा दे रहे है।

शुभम गिल ने खोला रिंकू सिंह की फिटनेस का राज

बीसीसीआई ने रिंकू सिंह के इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर किया, जिस दौरान शुबमन गिल ने रिंकू सिंह को एक बंदर के काटने के बारे में चिढ़ाया। रिंकू ने हंसी के साथ इस घटना को स्वीकार किया लेकिन इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया।

भारतीय टीम इन दिनों साउथ अफ्रीका दौरे पर है। जहां भारतीय टीम ने टी20 सीरीज से पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। वहीं इस बीच टीम इंडिया के खिलाड़ियों के बीच कुछ हंसी के पल बीसीसीआई ने शेयर किए। बोर्ड ने रिंकू सिंह के इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर किया, जिस दौरान शुबमन गिल ने रिंकू सिंह को एक बंदर के काटने के बारे में चिढ़ाया। रिंकू ने हंसी के साथ इस घटना को स्वीकार किया लेकिन इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया। इस इंटरव्यू में रिंकू सिंह खुद की फिटनेस के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसपर लंबे समय तक काम किया है और हमेशा खुद को ये दिलाया है कि क्रिकेट में फिटनेस कितनी जरूरी है। इस बीच गिल पीछे से आए और उन्होंने रिंकू को छेड़ते हुए कहा कि वो इतने तेज इसलिए दौड़ते हैं, क्योंकि एक बंदर ने इन्हें काटा था।रिंकू दक्षिण अफ्रीका में भारत के पहले अभ्यास और नेट सत्र के बाद डरबन में इंटरव्यू दिया था।

Manoj Bajpayee का खुलासा

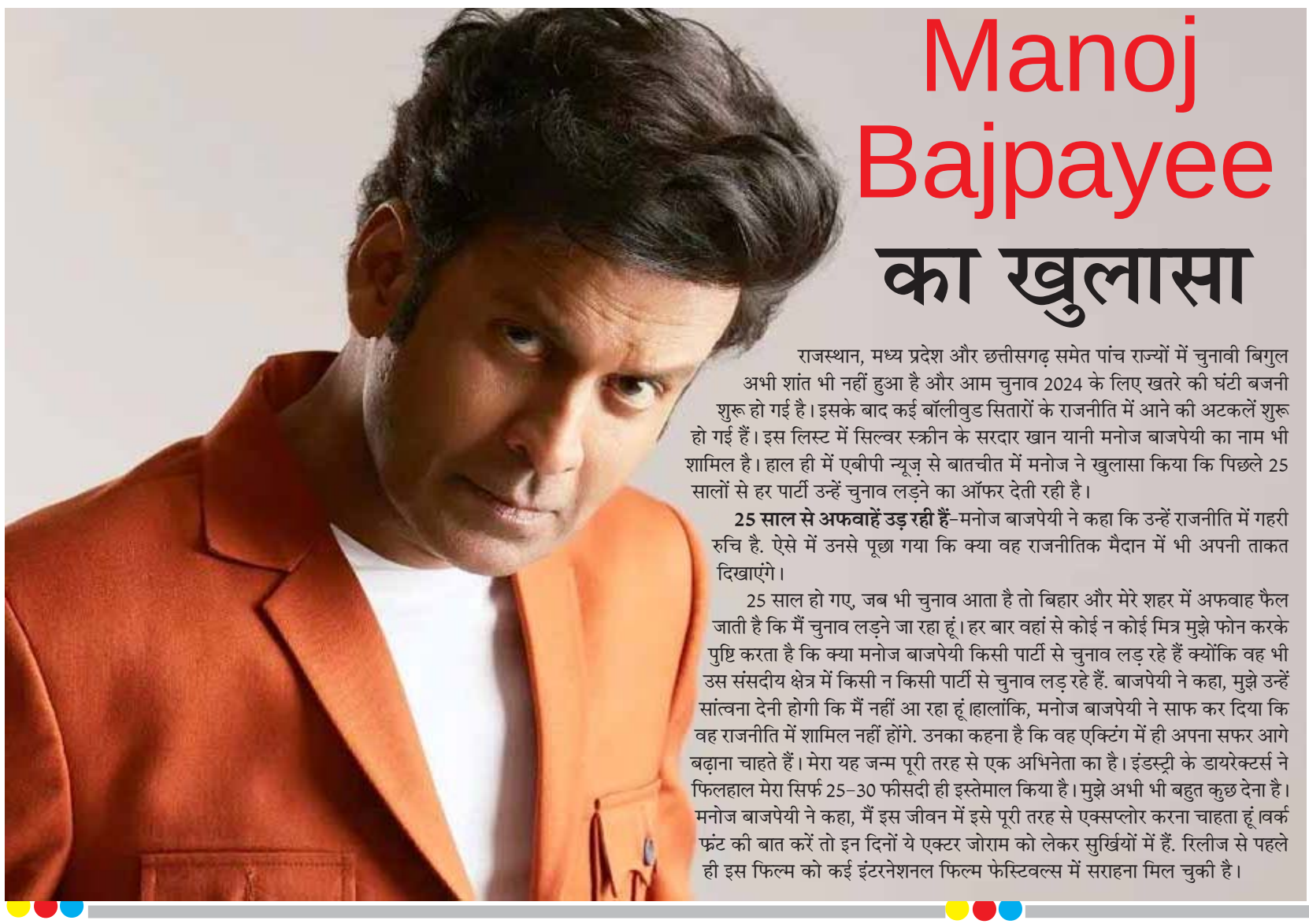

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में चुनावी बिगुल अभी शांत भी नहीं हुआ है और आम चुनाव 2024 के लिए खतरे की घंटी बजनी शुरू हो गई है। इसके बाद कई बॉलीवुड सितारों के राजनीति में आने की अटकलें शुरू हो गई हैं। इस लिस्ट में सिल्वर स्क्रीन के सरदार खान यानी मनोज बाजपेयी का नाम भी शामिल है। हाल ही में एबीपी न्यूज़ से बातचीत में मनोज ने खुलासा किया कि पिछले 25 सालों से हर पार्टी उन्हें चुनाव लड़ने का ऑफर देती रही है।

25 साल से अफवाहें उड़ रही हैं-मनोज बाजपेयी ने कहा कि उन्हें राजनीति में गहरी रुचि है. ऐसे में उनसे पूछा गया कि क्या वह राजनीतिक मैदान में भी अपनी ताकत दिखाएंगे।

25 साल हो गए, जब भी चुनाव आता है तो बिहार और मेरे शहर में अफवाह फैल जाती है कि मैं चुनाव लड़ने जा रहा हूं। हर बार वहां से कोई न कोई मित्र मुझे फोन करके पुष्टि करता है कि क्या मनोज बाजपेयी किसी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि वह भी उस संसदीय क्षेत्र में किसी न किसी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं. बाजपेयी ने कहा, मुझे उन्हें सांत्वना देनी होगी कि मैं नहीं आ रहा हूं।हालांकि, मनोज बाजपेयी ने साफ कर दिया कि वह राजनीति में शामिल नहीं होंगे. उनका कहना है कि वह एक्टिंग में ही अपना सफर आगे बढ़ाना चाहते हैं। मेरा यह जन्म पूरी तरह से एक अभिनेता का है। इंडस्ट्री के डायरेक्टर्स ने फिलहाल मेरा सिर्फ 25-30 फीसदी ही इस्तेमाल किया है। मुझे अभी भी बहुत कुछ देना है। मनोज बाजपेयी ने कहा, मैं इस जीवन में इसे पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहता हूं।वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों ये एक्टर जोराम को लेकर सुर्खियों में हैं. रिलीज से पहले ही इस फिल्म को कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिल चुकी है।

सालार का खतरनाक विलेन रियल लाइफ में हीरो से नहीं है कमः वर्धराज

फिल्म सालार का दमदार ट्रेलर देखकर फैंस खुशी से उत्साहित हो रहे हैं। ट्रेलर में, हीरो प्रभास के साथ ही फिल्म के विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन को भी उपस्थित देखकर उन्हें खूब तारीफ मिल रही है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म %सालार% की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें प्रभास स्टार लीड रोल प्ले कर रहे हैं और यह फिल्म 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में प्रभास के सामने एक ऐसा अभिनेत है जो विलेन के रूप में भी हीरो की तरह चमकता है। ट्रेलर देखने के बाद से लोग उसके बारे में सर्च कर रहे हैं। हम यहां पृथ्वीराज सुकुमारन की बात कर रहे हैं, जो फिल्म में वर्धराज मन्नार की भूमिका में हैं।जानिए पृथ्वीराज की कुंडलीइससे पहले 16 अज़्टूबर को होज़्बले फिल्ज़्स ने उनका कैरेज़्टर पोस्टर जारी किया था। यह दिन पृथ्वीराज सुकुमारन के लिए खास था, ज़्?योंकि इस दिन पृथ्वीराज सुकुमारन का जन्मदिन था। जब से फैंस ने उनकी झलक ट्रेलर में देखी है तब से लोग उनके अभिनय के बारे में बात कर रहे हैं। आइए पृथ्वीराज सुकुमारन के बारे में अनसुनी बाते जानते हैं।21 साल के करियर में, उन्होंने एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, तीन केरल राज्य फिल्म पुरस्कार, एक तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और एक फिल्मफेयर अवॉर्ड (साउथ) जीते हैं। एज़्टिंग की दुनिया में पृथ्वीराज का प्रवेश तकनीकी रूप से नंदनम (2002) फिल्म से हुआ था, हालांकि यह उनकी पहली फिल्म रिलीज हुई थी। साल 2006 में रिलीज हुई ज़्लासमेट्स ने पृथ्वीराज सुकुमारन को मलयालम सुपरस्टार बना दिया। उसी समय, उन्होंने वास्तवम के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार जीता, जिससे वह सबसे कम उम्र के एज़्टर बने थे। उस समय, उनकी आयु सिर्फ 24 वर्ष थी।

इस्लामिक आक्रमण और शरणार्थी संकट

किन देशों में कितनी मुस्लिम आबादी

फ्रांस और जर्मनी मुस्लिम आबादी के मामले में काफी ऊपर हैं। साल 2016 में फ्रांसीसी मुस्लिमों की आबादी 57 लाख पार कर चुकी है। जर्मनी में 49 लाख मुस्लिम बसे हैं। यूनाइटेड किंगडम, इटली, नीदरलैंड, स्पेन, बेल्जियम, स्वीडन जैसे देश इनके बाद हैं। यूरोपियन यूनियन के तहत आने वाले साइप्रस में कुल आबादी का करीब 26 मुस्लिम ही हैं।

किस देश में हैं सबसे ज्यादा शरणार्थी

फिलहाल जर्मनी में सबसे ज्यादा शरणार्थी हैं। साल 2022 की शुरुआत में उसने 1.2 मिलियन शरणार्थियों को होस्ट किया। इसकी संख्या साल 2023 में दोगुनी हो गई। वहां रहते लोगों में लगभग नौ लाख यूक्रेनियन हैं, जबकि लगभग पौने 7 लाख लोग सीरिया से आए हैं। इनके अलावा अफगानिस्तान, इराक और मीडिय ईस्ट के दूसरे देशों से भी शरणार्थी यहां रह रहे हैं।

यूरोप में मुस्लिम आबादी के बारे में 5 महत्वपूर्ण बिंदु:

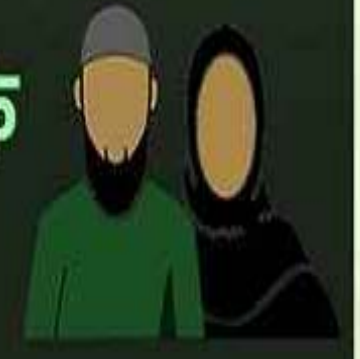

- यूरोप में फ्रांस और जर्मनी में ही सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी है।
- यूरोप की कुल आबादी में मुस्लिम हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और आने वाले दशकों में भी बढ़ती रहेगी।
- मुसलमान अन्य यूरोपीय लोगों की तुलना में बहुत छोटे हैं और उनके अधिक बच्चे हैं।
- 2010 के मध्य और 2016 के मध्य के बीच, प्रवासन यूरोप में मुस्लिम आबादी की वृद्धि का सबसे बड़ा कारक था।
- यूरोपीय देशों में मुसलमानों के बारे में विचार व्यापक रूप से भिन्न हैं। पूर्वी और दक्षिणी यूरोप में मुसलमानों के बारे में नकारात्मक विचार प्रचलित हैं हालाँकि, यूके, जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नीदरलैंड में अधिकांश लोग मुसलमानों के पक्ष में हैं।

यूरोपीय लोग भारत में हिंदू-मुस्लिम संबंधों से क्या सीख सकते हैं ?

भारतीय धर्मनिरपेक्षता की तरह, बहुसंस्कृतिवाद यह निर्धारित करता है कि बहुसंख्यकों को अन्य तरीकों के बजाय अल्पसंख्यकों को समायोजित करना चाहिए। भारतीय धर्मनिरपेक्षतावादियों की तरह, यूरोपीय उदारवादियों को अल्पसंख्यकों के साथ गठबंधन निर्माण में शामिल होने का प्रलोभन दिया जाता है.

जिलाधिकारी व नगर आयुक्त द्वारा ठण्ड के दृष्टिगत जनपद में स्थापित रैन बसेरा/ शेल्टर होम्स का किया गया औचक निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। जिलाधिकारी विशाख जी एवं नगर आयुक्त शिवशरप्पा जी0 एन0 द्वारा आज ठण्ड के दृष्टिगत जनपद में स्थापित रैन बसेरा / शेल्टर होम्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा परमट स्थित ,चाचा नेहरू अस्पताल परिसर में बनाए गए रैन बसेरा तथा बाबू पुरवा थाना क्षेत्र स्थित बनाए गए शेल्टर होम्स / रैन बसेरा में की गई मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय , पेयजल ,बेड , कम्बल इत्यादि अन्य समस्त प्रकार की सभी व्यवस्थाओ हेतु स्थलीय निरीक्षण करते हुए उपस्थित समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए।अपर नगर आयुक्त नगर निगम यह सुनिश्चित कराए कि जनपद में स्थापित समस्त रैन बसेरा एवं शेल्टर होम्स में समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाओ की कोई कमी न रहे ! अपर नगर आयुक्त नगर निगम यह सुनिश्चित कराए की समस्त रैन बसेरे एवं शेल्टर होम में नि:शुल्क ही संचालित हो उनके किसी भी व्यक्ति से कोई भी पैसा न लिया जाए। अपर नगर आयुक्त नगर निगम यह सुनिश्चित कराए कि ठंड के दृष्टिगत समस्त चिन्हित स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जाए।

डिप्टी सीएम से सुरेंद्र मैथानी ने की मुलाकात

बीपीएस न्यूज

कानपुर, गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने लखनऊ जाकर बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ से भेंट कर कानपुर में हेलट अस्पताल के अंदर आकस्मिक विभाग एवं ट्रामा सेन्टर की स्थापना जनहित में कराये जाने के सम्बन्ध में माँग पत्र सौंपा।विधायक ने उप मुख्यमंत्री से कहा कि कानपुर शहर अत्यधिक जाम एवं अत्यधिक वाहनों के आवागमन वाला शहर है। यहाँ चारों तरफ जी.टी. रोड/ हाईवे और लिंक रोड हैं।आसपास के 16 से 17 जिलों के गरीब लोग कानपुर के हेलट हॉस्पिटल में ही आकर के अपना इलाज कराते हैं,लाभान्वित होते हैं। शहर में एक भी ट्रॉमा सेन्टर न होने के कारण जब भी कोई अप्रिय घटना होती है तो पीड़ित को सम्बन्धित उपचार नही मिल पाता है। जिसके कारण कई-कई बार उनकी आकस्मिक मृत्यू हो जाती है। विधायक ने बृजेश पाठक से कहा कि आपसे निवेदन है कि हादसों में गंभीर रूप से घायल हेड इंजुरी, फ्रैक्चर और जले हुए(बर्न पेशेंट) मरीजों तथा अन्य पीड़ितों के लिये तत्काल इलाज की सुविधा मुहिया कराने हेतु कानपुर शहर में एक आकस्मिक विभाग/ट्रॉमा सेंटर की जनहित मेंअति आवश्यक्ता है जिस पर उपमुख्य मंत्री ने विधायक को सकारात्मक आश्वत किया और कहा जल्द ही,इसकी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे ।

अब एक ही छत के नीचे मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन, पैथोलाजी, ओपीडी, डायग्नोस्टिक सेंटर की सुविधा जल्द ही मिलेगी

कानपुर नगर। मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल में अब एक ही छत के नीचे मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन, पैथोलाजी, ओपीडी, डायग्नोस्टिक सेंटर की सुविधा जल्द ही मिलेगी। इसके लिए संभावित रास्ते खुल चुके है। सांस के रोगियों की शहर में लगातार संख्या बढती जा रही है और ऐसे में अस्पताल में अधिक सुविधाओं का भी होना आवश्यक है। बीते नवम्बर माह में निरीक्षण के लिए टीम पहुंची थी और टीम के द्वारा ओपीडी ब्लाक तथा इंस्टीट्यूट के बारे में जानकारी ली गयी थी।कानपुर नगर में लागातार सांस के मरीजों की संख्या में बढोत्तरी होती जा रही है, ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं को भी बढाना आवश्यक हो जाता है। शहर के मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल में अब जल्द ही एक ही छत के नीचे मरीजो को सारी सुविधा मिलेंगी। नवम्बर माह में टीम के निरीक्षण के बाद मरारी लाल चेस्ट अस्पतला को इंस्टीटयूट बनाने तथा ओपीडी ब्लाक की योजना को बल मिला। ऐसे में न केवल मरीजों को सुविधायें मिलेगी, अपितु शोधा कार्यो को भी किया जा सकेगा। इस सम्बध में बताया गया की पूर्व में आवश्यकताओं के अनुसार कई बार प्रस्ताव भी तैयार किया और प्रशासन को भी भेजा गया लेकिन अब याचिका समिति द्वारा आंस बंध गयी है। अस्पताल में नई ओपीडी ब्लाक कनने से मरीजों को डायग्नोस्टिक सेंटर, पैथोलॉजी, ओपीडी, सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा एक ही छत के नीचे मिल सकेगी और क्षय रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

कांग्रेसियों ने बाबा साहब की लगी हुई शहर भर में प्रतिमाओं पर माला अर्पण किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महानगर कॉग्रेस कमेटी कानपुर दक्षिण के तत्वाधान में कानपुर नगर दक्षिण में स्थित बौद्ध सत्य, भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर की रावतपुर, राजापुरवा, दबौली, गुजैनी, पनकी, जूही प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की गई उनके जीवन पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला- शिक्षित हो, संगठित हो, सघर्ष करों का नारा को साकार करने का संकल्प लिया गया उनके द्वारा रचित संविधान से देश समृद्धि-विकासशील, और एकता और अखण्डता से चल रहा है। हरिकृष्ण भारतीय, महेश दीक्षित, आदर्श दीक्षित, सुनील कनौजिया, सतीश दीक्षित, मोहनलाल, बृजेश शर्मा, हरिराम कटियार, राधेश्याम सिंह, डा0 लालजीत, तिलक चन्द्र, रामजनक, मोन्टी, रामशेखर सिंह, छेदीलाल, मो0 लईक, उमाशंकर सिंह इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

हादसे में घायल दो भाईयों की हुई मौत

कानपुर नगर, बुधवार को कानपुर-घाटमपुर रोड स्थित धर्मपुर बंबा के पास एक हादसे के दौरान बाईक से जा रहे दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गये थे, जिन्हे इलाज के लिए हैलट भेजा गया था। इलाज के दौरान गुरूवार को दोनो भाईयों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार थाना बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले टिकरा निवासी सोनू अपने सगे भाई वर्षी राम बहादु के साथ बाइक से घाटमपुर एटर्रा के रहने वाले अपने मामा के यहां गये थे। बताया जाता है कि दोनो भाई के मामा के यहां कुछ मांगलिक कार्य था, जिसमें वह शामिल होकर बुधवार को वापस आ रहे थे। जैसे ही वह धर्मपुर बंबा के पास पहुंचे एक डम्फर ने उन्हे तेज टक्कर मार दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरो द्वारा पुलिस को सूचना दी गयी। पतारा सीएससी से उन्हे हैलट रिफर किया गया था। गुरूवार को इलाज के दौरान दोनो भाईयों की मौत हो गये।

मरीज को देखने पहुंचे तीमारदार की कार्डियोलॉजी स्टाफ ने की धुनाई

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, ह्रदय रोग संस्थान(कार्डियोलॉजी) कानपुर ही नही बल्कि प्रदेश भर में ह्रदय रोग के ईलाज के लिए प्रसिद्धहै। यहां शहर के साथ ही दूर-दूर से दिल के मरीज इलाज के लिए आते है, लेकिन यहां आये दिन स्टाफ के साथ मरीजके साथ आये तीमारदारों के साथ कहा-सुनी होती रहती है। यहां का स्टाफ परेशान मरीजो के तीमारदारों से

उलझ जाता है औरगाली-गलौज तथा मारमीट भी कर लेता है। एक बार फिर कार्डियोलॉजी के बिगडे स्टॉफ ने एक मरीज के तीमारदार को पीट दियाजिसके कारण उसका सिर फट गया।जिस प्रकार कानपुर के हैलट अस्पताल में आये दिन जूनियर डाक्टरों के कारनाम सामने आते है उसी प्रकार ह्रदय रोग संस्थानमें भी स्टाफ तीमारदारों के साथ उलझता रहता है। इसी क्रम में वासू तिवारी नाम का एक व्यक्ति, जिसका मरीज कार्डियोलॉजी में ईलाज के लिए भर्ती था, देखने आया था। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर वासू तिवारी की कॉर्डियोलॉजी स्टाफ के साथ कहा-सुनी हो गयी, जिसके बाद स्टाफ में शामिल लोगों ने वासू को जमकर पीट दिया। इस मारपीट में वासू को सिर पर गंभीर चोट आई।पीडत वासू ने स्वरूप नगर थाने में घटना के बाबत तहरीर दी लेकिन पुलिस द्वारा कोई भी कार्यवाई नही की गयी। वहीं पीडित ने कहा कि अस्पताल प्रशासन द्वारा भी अपने स्टाफ के लोगों पर कोई कार्यवाही नही की गयी।

प्रतिबंधित मार्गों में धड़ल्ले से दौड़ रहे ई-रिक्शा

रामादेवी से लेकर गोविन्द नगर बाईपास तक तथा जीटी रोड पर ई-रिक्शा चालकों की अराजकता

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। कानपुर शहर की सडकों पर लगभग 60 हजार से भी अधिक ई-रिक्शा दौड रहे है जो वर्तमान में यातायात व्यवस्था के सबसे बडे बाधक है। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए ई-रिक्शा को आदेश के बाद मुख्य मार्गो के लिए प्रतिबन्धित कर दिया गया था, लेकिन हालात में कोई सुधार नही हुआ और शहर के मुख्य मार्गो के साथ जीटी रोड तथा रामादेवी चौराहे से लेकर विश्वबैंक बर्रा हाईवे पर बिना किसी खौफ ईरिक्शा दौड रहे है।

ई-रिक्शा के कारण यातायात में उत्पन्न होने वाली बाधा तथा जनता की परेशानी को देखते हुए ई-रिक्शा को मुख्य मार्गो के लिए प्रतिबन्धित कर दिया गया था, लेकिन इस आदेश का कोई खास प्रभाव सडकों पर दिख नही रहा है और पहले की ही तरह सभी मुख्य मार्गो, जीटीरोड तथा हाईवे पर ई-रिक्शा चालकों की धमा-चौकडी देखी जा सकती है। रामादेवी चौराहे जो अति व्यस्त चौराहो में एक है यहां चारो कोनो पर ई-रिक्शा चालकों की अराजकता देखी जा सकती है। मुख्य चौराहा होने के कारण यहां पुलिस व्यवस्था तो रहती है लेकिन वह मूक बनी रहती है। ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि पुलिस से उनका बंधा है और इस लिए पुलिस कुछ नही कहती। लगभग यही हालात पीएसी मोड, यशोदानगर, नौबस्ता, गोविन्द नगर, जीटी रोड के चौराहों का है। अब ऐसे में यातायात व्यवस्था किस प्रकार ठीक होगी। बतादें की ईरिक्शा को मुख्य मार्गो से हटाने के लिए बीती 30 अक्टूबर को बैठक में निर्णय लिया गया था और एक नवंबर से प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिया गया था, अब नवम्बर बीत चुका है और दिसम्बर की शुरूआत भी हो चुकी है लेकिन अभी पूर्व के आदेशों का कोई भी प्रभाव सडकों पर दिख नही रहा है। आज भी शहर के मुख्य चौराहो पर ई-रिक्शा का जमावडा देखा जा सकता है।

नागरिक सुरक्षा कलेक्टरगंज प्रखंड द्वारा किया गया वृक्षारोपण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नागरिक सुरक्षा कलेक्टर गंज प्रखंड द्वारा आज चल रहे नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन गणेश शंकर विद्यार्थी पार्क फीलखाना में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश शंकर विद्यार्थी जी की मूर्ति को माला पहनकर किया गया उसके बाद पौधे लगाए गए जिसमें की कई प्रकार के पौधे लगाए गए सहायक उप नियंत्रक नीरज चक्र ने कहा कि 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक नागरिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है जिस्म की हर प्रखंड द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में अलग-अलग प्रकार से इसी प्रकार ने अपने क्षेत्र में गंगा सफाई जागरूक करना विभिन्न विभिन्न कार्यक्रम के इसी प्रकार आज कलेक्टरगंज प्रखंड द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया है इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मौजूद रहे सहायक उप नियंत्रक नीरज चक्र कलेक्टर संजय तिवारी प्रखंड घटना नियंत्रक अधिकारी सुशील , विजय गुप्ता वार्डन नरेंद्र सिंह गौरव अग्रवाल रेवती गुप्ता रंजीत पाल अनूप बाजपेई संजय सविता अंकुर मिश्रा राघवेंद्र गुप्ता कालीचरण जायसवाल मनोज गुप्ता इशांत नाथ शर्मा दीपक गुप्ता सुनील जायसवाल आनंद अग्रहरि तने शुक्ला विनय सैनी सौरभ गोस्वामी विशाल गुप्ता राजेश सविता जयप्रकाश यादव शुभम सविता गोपाल यादव आदि वार्डन मौजूद रहे।

डाक्टर लक्ष्मण यादव को बहाल किए जाने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय दलित पैंथर के बैनर तले डॉ॰जाकिर हुसैन कॉलेज डी॰यू॰से डॉक्टर लक्ष्मण यादव को निष्कासित किए जाने के संबंध में राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और राज्यपाल व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा और डाक्टर लक्ष्मण यादव को बहाल किया जाने की मांग की। ज्ञापन दे रहे पैंथर धनीराम बौद्ध(प्रदेश अध्यक्ष भारतीय दलित पैंथर उ प्र) का कहना है कि प्रोफेसर डॉक्टर लक्ष्मण यादव जी 14 वर्षों से दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ जाकिर हुसैन कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे थे जिस प्रकार से साक्षात्कार की आड़ में डॉ लक्ष्मण यादव जी को निष्कासित किया है वह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। पैंथर धनीराव बौद्ध ने कहा कि देश के अंदर प्रतिभाओं का अनादर किया जा रहा है और कम पढ़े लिखे या जूनियर तबके के लोगों को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसकी वजह से आज देश के अंदर अशिक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है ।हर तरफ केवल पैसे व ताकत का बोलबाला है। पैंथर ने कहा कि अगर शासन ने लक्ष्मण यादव का निष्कासन वापस नहीं किया तो सभी अंबेडकरवादी और दलित पैंथर के लोग सड़कों पर उतरकर जन आंदोलन करने को बाध्य होंगे ज्ञापन देने में प्रमुख रूप से आरके सिंह यादव एडवोकेट, सागर यादव एडवोकेट, नवीन गौतम एडवोकेट, मधु यादव एडवोकेट, रामशरण सिंह एडवोकेट, राजेश गौतम अध्यापक, श्रीकांत एडवोकेट, विनोद पाल एडवोकेट, कमल कुमार एडवोकेट, रविंद्र कुमार एडवोकेट, विनीत कुमार ,मोहम्मद रिजवान, राकेश राव, महेश पाल ,विजय कुमार एडवोकेट, नरेंद्र यादव एडवोकेट, राजेश सोनकर एडवोकेट, वैभव चौधरी एडवोकेट सहित सैकड़ो अधिवक्ता गढ़ व समाजसेवी लोग उपस्थित रहे ।

55 यूपी बटालियन एनसीसी, कानपुर का परमानेंट इंस्ट्रक्टर ओरियन्टेशन कोर्स कराया गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एन0सी0सी0 ग्रुप मुख्यालय कानपुर के तत्वाधान में 55 यूपी बटालियन एनसीसी, कानपुर का परमानेंट इंस्ट्रक्टर ओरियन्टेशन कोर्स-।।। कानपुर छावनी स्थित 14 राजपूताना ओल्ड लाइन, कैम्प एरिया में सोमवार दिनांक 04 दिसम्बर 2023 से आरम्भ हुआ। इस शिविर का समापन 07 दिसम्बर 2023 को हुआ। कैम्प में 120 पी0आई0 स्टाफ आगरा ग्रुप, अलीगढ़ ग्रुप. बरेली ग्रुप, गाजियाबाद ग्रुप, गोरखपुर ग्रुप, कानपुर ग्रुप, लखनऊ ग्रुप, मेरठ ग्रुप, प्रयागराज ग्रुप, वाराणसी 'ए' ग्रुप व वाराणसी बी ग्रुप भाग ने भाग लिया। पी0आई0ओ0सी0 कोर्स में विभिन्न प्रकार के एनसीसी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें हथियार प्रशिक्षण, ड्रिल, क्षेत्र शिल्प और युद्ध शिल्प (स्नष्ट्क्ष्ट), मैप रीडिंग, नीति शास्त्र, सेवा और सामुदायिक विकास (एसएससीडी) गतिविधियों और राष्ट्रीय एकीकरण का प्रशिक्षण दिया गया।आज चौथे दिन कोर्स के समापन पर ब्रिगेडियर एस0पी0एस0 रौतेला ग्रुप कमाण्डर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय कानपुर ने पी0आई0 को पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार वितरित कर उनका हौसला अफजाई किया और उनके कार्यों की सराहना की इसके उपरान्त ग्रुप कमान्डर साहब ने सभी पी0आई0 स्टाफ का मनोबल बढाया व उनके साथ जल पान किया। कैम्प कमान्डेन्ट कर्नल समीर कुमार कौशिक, कमान अधिकारी 55 यूपी बटालियन एवं ओ0आई0सी0, पी0आई0ओ0सी0-।।। हैं। अन्त में पी0आई0ओ0सी0 कोर्स के लिए आए हुए पी0आई0 को एच0डी0एफ0सी0 बैंक के वित्तीय प्रबंधक श्री सुनील कुमार गुप्ता ने वित्तीय प्रबन्धन के बारे में जागरूक किया और पी0आई0ओ0सी0 कोर्स समाप्त घोषित किया गया।

कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

कानपुर। गोविन्द नगर थाना क्षेत्र की फैक्ट्री एरिया में रविवार दोपहर कपडा फैक्ट्री में अचानक आग की लपटे उठती दिखाई दी। जब तक कोई कुछ समझ पाता आग ने भयावह रूप धारण कर लिया। जिससे क्षेत्र में हडकंप मच गया। यह कपडा फैक्ट्री साइट नं-5 में स्थित है। आसपास के लोगों ने आग की सूचना पुलिस तथा दमकल विभाग को दी। सूचना पाते ही दमकल की कई गाडियां मौके पर पहुंच गयी, आग पर काबू पाने का प्रयास में लग गयी। समाचार लिखे जाने तक दमकल टीम द्वारा आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है साथ ही अभी किन कारणों से फैक्ट्री में आग लगी है।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।